● जयपुर, शुक्रवार, 26 जुलाई 24 ● वर्ष 13 ● अंक 328 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार
''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 हाईटेक बनें परिवहन विभाग के उड़नदस्तें, उपमुख्यमंत्री...
पेज @4 कांग्रेस कार्यकर्ता ने फूंका नीतीश कुमार का पुतला...
पेज @8 सार्वजनिक निर्माण विभाग में अधीक्षण अभियन्ता वृत्त शहर जयपुर...

मदन राठौड़ राजस्थान भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष, राधामोहन प्रभारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा ने राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी की जगह मदन राठौड़ को पार्टी की राजस्थान इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। केंद्रीय नेतृत्व ने गुरुवार देर रात संघ पृष्ठभूमि के राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को राजस्थान का नया प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं, सांसद राधामोहन दास अग्रवाल को राजस्थान का प्रभारी व विजया रहाटकर को सह प्रभारी लगाया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर महासचिव अरुण सिंह ने यह आदेश जारी किए हैं। मालूम हो कि प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी की ओर से पद छोड़ने की पेशकश के बाद आलाकमान ने उन्हें हटाकर राठौड़ को प्रदेश नेतृत्व की जिम्मेदारी दी है। इससे पहले प्रदेश के कई भाजपा नेताओं की गुरुवार को केंद्रीय नेताओं से मुलाकात हुई। सीएम भजनलाल शर्मा भी बुधवार को केंद्रीय मंत्रियों व अन्य नेताओं से मिलकर आए थे। विधानसभा के उपचुनाव और स्थानीय निकाय चुनाव व पंचायत राज के चुनाव को देखते हुए पार्टी को एकजुट रखने वाले नेता क राजस्थान का नेतृत्व देने की बात की जा रही थी। बीजेपी महासचिव संगठन अरुण सिंह की तरफ जारी नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सांसद मदन राठौड़ को राजस्थान प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

राज्यसभा सांसद हैं मदन राठौड़

बता दें कि मदन राठौड़ राज्यसभा सांसद हैं। वह सुमेरपुर से विधायक भी रह चुके हैं। मदन राठौड़ 2014-18 तक राजस्थान विधानसभा में बीजेपी के उप मुख्य सचेतक थे। राठौड़ बीजेपी के सीनियर नेता हैं। वह सीपी जोशी की जगह प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं।

सीपी जोशी ने इस्तीफा देने की थी पेशकश

इससे पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश की थी। सूत्रों ने कहा कि राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जोशी पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात कर चुके हैं,सीपी जोशी चित्तौड़गढ़ से सांसद हैं।

संक्षिप्त खबरें

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत अवधि आठ अगस्त तक बढ़ी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने गुरुवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की अवधि आगामी 8 अगस्त तक बढ़ा दी। वहीं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज धनशोधन के एक अन्य मामले में मुख्यमंत्री की हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी गयी। केजरीवाल को तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया।

आम आदमी पार्टी को केन्द्र सरकार ने दिया नया दफ्तर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी (आआपा) को नये कार्यालय के लिए स्थान दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए सरकार ने बंगला नंबर 1, रविशंकर शुक्ला लेन, नई दिल्ली में आआपा को नये कार्यालय के लिए अलाट किया है। पार्टी का कहना है कि हम इसकी व्यवहार्यता की जांच कर रहे हैं। वर्तमान में आआपा का मुख्यालय आईटीओ के पास दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थित है। नया कार्यालय एनसीपी दफ्तर के नजदीक है। दिल्ली हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी दफ्तर के लिए जमीन आवंटन की मांग पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को 25 जुलाई तक का समय दिया था। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी को 10 अगस्त तक पार्टी दफ्तर खाली करने का समय दिया है।

लवासा पहाड़ी में भू-स्खलन, मलबे में दो बंगले दबे, चार लोग लापता

मुंबई। पुणे के लवासा पहाड़ी में आज हुए भू-स्खलन की चपटे में दो बंगले आ गए। मलबे में यह दोनों बंगले दब गए हैं। इनमें रहने वाले चार लोग लापता बताए जा रहे हैं। इसकी सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड के जवान पहुंचे। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। पिछले 24 घंटों में पुणे जिले में भारी बारिश हुई है। लवासा में सबसे ज्यादा 453.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। इस रिकॉर्ड बारिश से लवासा हिल स्टेशन में रहने वाले निवासी प्रभावित हुए हैं। जनजीवन अस्त-व्यस्त है। भारी बारिश की वजह से आज सुबह लवाड़ी पहाड़ी का एक हिस्सा धसक गया और उसका मलबा दो बंगलों पर गिरा। पुणे कलेक्टर आपदा प्रबंधन इकाई से जिले में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं।

के कविता और मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लॉड्रिंग मामले की आरोपित भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के कविता और दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने दोनों की न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। आज के कविता और सिसोदिया की न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 3 जुलाई को दोनों की न्यायिक हिरासत आज तक के लिए बढ़ाई थी। इसके पहले 29 मई को कोर्ट ने कविता के खिलाफ दाखिल ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने कविता के अलावा चनप्रीत सिंह, दामोदर शर्मा, प्रिंस कुमार और अरविंद सिंह के खिलाफ दायर चार्जशीट पर भी संज्ञान लिया था।

सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान बेंच का 8:1 के बहुमत से फैसला

राज्यों को खनिज संपदा पर टैक्स लगाने का अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा-

- टैक्स लगाने का अधिकार केवल संसद को ही नहीं दिया है बल्कि ये राज्यों के लिए भी है

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज साफ कर दिया कि राज्य सरकारों को खनिज संपदा पर टैक्स लगाने का अधिकार है। शीर्ष अदालत की नौ सदस्यीय संविधान बेंच ने 8:1 के बहुमत से यह फैसला सुनाया है। फैसले में कहा गया है कि राज्यों के इस अधिकार को केंद्रीय कानून माइंस ऐंड मिनिरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ समेत आठ जजों ने ये फैसला दिया है, जबकि जस्टिस बीवी नागरत्ना ने इस फैसले के उलट फैसला दिया है।

संविधान बेंच ने 14 मार्च को फैसला सुरक्षित रख लिया था। बेंच ने मामले पर आठ दिन सुनवाई की थी । इस मामले में राज्य सरकारों, खनन कंपनियों और विभिन्न लोक उपक्रमों ने 86 अपील दायर की थीं। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि संविधान ने खनिज संपदा वाली जमीन पर टैक्स लगाने का अधिकार केवल संसद को ही नहीं दिया है बल्कि ये राज्यों के लिए भी है। ऐसे में राज्यो के अधिकार में कटौती नहीं होनी चाहिए। केंद्र सरकार ने कहा था कि उसे खनिज संपदा वाली जमीन पर टैक्स लगाने का सबसे पहला अधिकार है।

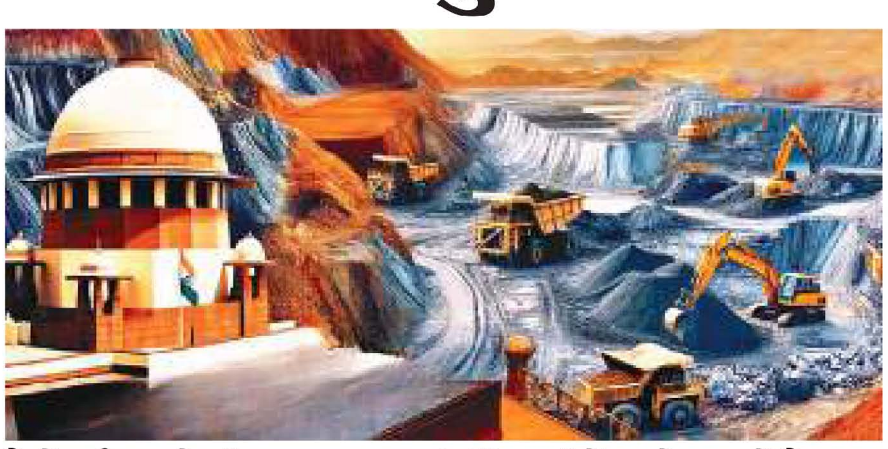

कैसे हुई मामले की शुरुआत

इस मामले की शुरुआत इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड और तमिलनाडु सरकार के बीच विवाद से हुई थी। इंडिया सीमेंट्स खनन लीज लेने के बाद तमिलनाडु सरकार को रॉयल्टी दे रही थी। तमिलनाडु सरकार ने इस रॉयल्टी के अलावा इंडिया सीमेंट्स पर एक और सेस लगा दिया था। इसके बाद इंडिया सीमेंट्स ने मद्रास हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इंडिया सीमेंट्स का कहना था कि रॉयल्टी पर सेस लगाना रॉयल्टी पर टैक्स लगाना जैसा है जो राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। तमिलनाडु सरकार का कहना था कि सेस भू-राजस्व के तहत है और ये खनिज संपदा के अधिकार की बात है जो राज्य सरकार लगा सकती है।

इंडिया सीमेंट्स के पक्ष में फैसला

सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने 1989 में इंडिया सीमेंट्स के पक्ष में फैसला दिया। सात जजों की बेंच ने कहा था कि खनिज संपदा वाली जमीन पर टैक्स लगाने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है। इस बेंच ने कहा था कि राज्य सरकार रॉयल्टी लगा सकती है लेकिन उस पर टैक्स नहीं लगा सकती है। उल्लेखनीय है कि नौ सदस्यीय संविधान बेंच में चीफ जस्टिस के अलावा जस्टिस हृषिकेश राय, जस्टिस एएस ओका, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस उज्जल भुईंया, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस एजी मसीह शामिल हैं।

एक लाख आंगनवाड़ी को अपग्रेड करने का लक्ष्य

देश के 6000 आंगनवाड़ी केन्द्रों में खुलेंगे क्रैच सेंटर

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में लगभग 6000 आंगनवाड़ी केन्द्रों को अपग्रेड कर उसमें क्रैच सेंटर खोले जाएंगे। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इस योजना पर तेजी से काम करते हुए आने वाले सालों में करीब एक लाख से अधिक आंगनवाड़ी केन्द्रों को अपग्रेड करेगी।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं की सहुलियत के लिए 6000 आंगनवाड़ी केन्द्रों में क्रैच सेंटर खोलने की योजना बनाई गई है। इसके लिए जल्दी आवश्यक भर्ती की जाएंगी। आंगनवाड़ी केन्द्रों में सभी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ आने वाले समय में एक लाख से अधिक आंगनवाड़ी केन्द्रों को अपग्रेड किया जाएगा।

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि 2024-25 के लिए महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के उद्देश्य से योजनाओं के लिए जेंडर

बजट आवंटन 3.3 लाख करोड़ रुपये है, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 के जेंडर बजट विवरण की तुलना में 37.3 प्रतिशत अधिक हैए यह महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के प्रति सरकार के संकल्प को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प लिया है, उसी दिशा में सरकार वीमेन डेवलपमेंट से वीमेन लेड डेवलपमेंट की ओर बढ़ रही है, जहां महिलाएं विकास और राष्ट्रीय प्रगति की कहानी में समान भागीदार हों और जहां वे नेतृत्व करें।

मंत्री ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए वन-स्टॉप सेंटर आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हैं, जिसमें चिकित्सा और कानूनी सहायता शामिल है और 24 घंटे टोल-फ्री हेल्पलाइन '181' और '1098' संकट से महिलाओं और बच्चों को तत्काल सहायता प्रदान की जाती है।

सुकमा में तीन महिला सहित पांच इनामी माओवादियों ने डाले हथियार

एजेंसी

सुकमा/रायपुर। सुकमा जिले में सक्रिय तीन महिला हार्डकोर माओवादी सहित पांच हार्डकोर माओवादियों ने गुरुवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें तीन माओवादियों पर पांच -पांच लाख और दो पर दो-दो लाख सहित कुल 19 लाख रुपये का इनाम घोषित है। पुलिस के अनुसार 'छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति' एवं 'नियद नेल्ला नार' योजना से प्रभावित होकर तथा अंदरूनी क्षेत्रों में नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित होने के बाद नक्सली लगातार आत्मसमर्पण कर रहे हैं। पुलिस के बढ़ते प्रभाव के चलते आज प्लाटून नंबर 30, डिप्टी कमाण्डर पीपीसीएम कवासी दुला पिता कोसा (25 वर्ष) निवासी बडेसेट्टी पालोड़ी थाना फुलबगड़ी जिला सुकमा, प्लाटून नंबर 30 सेक्शन कमाण्डर- मेडिकल टीम कमाण्डर पीपीसीएम सोड़ी बुधरा पिता पोज्जा (27 वर्ष) निवासी मुतोड़ी थाना गादीरास जिला सुकमा तथा प्लाटून नंबर 30 सेक्शन 'ए' कमाण्डर मड़कम गंगी पति कवासी दुला पिता स्व. पोज्जा 27 वर्ष निवासी ईत्तापारा थाना फुलबगड़ी ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इन तीनों आतंकवादियों पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनके अलावा प्लाटून नंबर 30 पार्टी सदस्या पोड़ियाम सोमड़ी पिता स्व. मंगडू (25 वर्ष) निवासी कोंडरे पदामपारा थाना फुलबगड़ी जिला सुकमा तथा किस्टाराम एरिया कमेटी टेलर टीम पार्टी सदस्या एवं पूर्व डीव्हीसीएम-मड़कम आयते पिता स्व. देवा (35 वर्ष) निवासी दुरमा, मेहता थाना कोण्टा जिला सुकमा ने भी आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय सुकमा में एसपी किरण चव्हाण, एएसपी नक्सल ऑप्स निखिल राखेचा सुकमा के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण कर दिया। इन दोनों पर दो-दो लाख रुपये का इनाम घोषित है।

कर्नाटक विधानसभा ने नीट के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा ने गुरुवार को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) को खत्म कर राज्य की सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के माध्यम से मेडिकल स्कूलों में भर्ती की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया। कांग्रेस की सत्ता वाली राज्य सरकार में चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने राज्य विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में कर्नाटक सरकार द्वारा केंद्र सरकार से राज्य को एनईईटी से छूट देने और राज्य सरकार की ओर आयोजित सीईटी अंकों के आधार पर मेडिकल प्रवेश प्रदान करने का आग्रह किया गया।

वर्षगांठ : कारगिल युद्ध से मिली सीख को और मजबूत किया जाना चाहिए : सीडीएस

एजेंसी

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कारगिल युद्ध की 25वीं वर्षगांठ पर गुरुवार को सशस्त्र बलों के सभी रैंकों को अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में सीडीएस ने इस बात पर जोर दिया कि कारगिल युद्ध में बहादुरों का सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि यह न केवल सैनिकों बल्कि देश के युवाओं की भावी पीढ़ियों को भी प्रेरित और प्रोत्साहित करता रहेगा।

कारगिल युद्ध पर प्रकाश डालते हुए सीडीएस ने कहा कि इस युद्ध में न केवल सेना के लिए बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सभी

लोगों के लिए सबक थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि खून बहाकर सीखे गए सबक को नहीं भूलना चाहिए, गलतियों को नहीं दोहराना चाहिए और सही सबक को और मजबूत किया जाना चाहिए। सशस्त्र बलों में चल रहे सुधारों के बारे में जनरल अनिल चौहान ने रेखांकित किया कि तीनों सेनाएं संगठनात्मक, संरचनात्मक और वैचारिक से लेकर सांस्कृतिक तक बड़े सुधारों की दहलीज पर हैं।

उन्होंने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य युद्ध क्षमता में सुधार करना और सशस्त्र बलों को हर समय युद्ध के लिए तैयार रखना है। हमें पुरानी प्रथाओं को त्यागने और नई प्रथाओं को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। सुधारों का स्वरूप और रूपरेखा भारतीय परिवेश और चुनौतियों की विशिष्टता को दर्शाना चाहिए। सीडीएस ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि देश के अमृतकाल में सशस्त्र बल 'विकसित भारत' बनाने के लिए देश के बाकी हिस्सों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

बदलाव राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और अशोक हॉल का बदला नाम

अब गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप के नाम से जाना जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में स्थित 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर क्रमशः 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' कर दिया गया है।

राष्ट्रपति भवन की ओर से गुरुवार को जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रपति का कार्यालय और आवास, राष्ट्र का प्रतीक है और लोगों की अमूल्य विरासत है। इसे लोगों के लिए और अधिक सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचारों का प्रतिबिम्ब बनाने का निरंतर प्रयास

किया गया है।

तदनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉलों 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर क्रमशः 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' रखने पर प्रसन्न हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'दरबार हॉल' राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों और उत्सवों का स्थल है। 'दरबार' शब्द का तात्पर्य भारतीय शासकों और अंग्रेजों के दरबार और सभाओं से है। भारत के गणतंत्र बनने के बाद, यानी 'गणतंत्र' के बाद इसकी प्रासंगिकता खत्म हो गई। 'गणतंत्र' की अवधारणा प्राचीन काल से ही भारतीय समाज में गहराई से निहित है, इसलिए 'गणतंत्र मंडप' इस स्थल के लिए एक उपयुक्त नाम है।

वहीं 'अशोक हॉल' मूल रूप से एक बॉलरूम था। 'अशोक' शब्द का अर्थ है वह व्यक्ति जो 'सभी दुखों से मुक्त' है या 'किसी भी दुख से रहित' है। साथ ही, 'अशोक' सम्राट अशोक को संदर्भित करता है, जो एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रतीक है। भारत गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ से अशोक का सिंह शीर्ष है। यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है जिसका भारतीय धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ कला और संस्कृति में भी गहरा महत्व है। 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर 'अशोक मंडप' करने से भाषा में एकरूपता आती है और अंग्रेजीकरण के निशान मिटते हैं, जबकि 'अशोक' शब्द से जुड़े प्रमुख मूल्यों को बरकरार रखा जाता है।

आतंकियों की मदद करने वाले जैश के दो सहयोगी गिरफ्तार

एजेंसी

कठुआ। जम्मू कश्मीर पुलिस आतंकवादी गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। इसी प्रयासों में पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने के लिए दो ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि इन ओवर ग्राउंड वर्कर्स की वजह से आतंकवादी कार्रवाइयों को रोकने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई। इस संबंध में 100 से अधिक व्यक्तियों से पूछताछ की गई है। 40 से अधिक व्यक्तियों के खिलाफ निवारक उपाय किए गए हैं।

पुलिस अधिकारी के अनुसार गिरफ्तार किये गए ओवर ग्राउंड वर्कर्स में से एक वार्ड 07 कालां धनु पैरोल तहसील बिलावर निवासी लयाकत अली उर्फ पावु और दूसरा बाउली मोहल्ला मल्हार तहसील मल्हार निवासी मूल राज उर्फ जेनजू है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन मल्हार में एफआईआर 18/2024 यू/एस 61(1),113,147,150/ बीएनएस 2/3 ईआईएमसीओ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसएसपी कठुआ ने जनता को आगाह करते हुए सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधियों की सूचना अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन या डायल 100 या 9858034100 पर जानकारी देने की अपील की है।

हिन्दू विरोध में बदल गया है बांग्लादेश का आरक्षण आंदोलन

बांग्लादेश इस समय आरक्षण विरोधी आंदोलन के चलते गंभीर संकट से जूझ रहा है। आरक्षण के विरोध में संपूर्ण बांग्लादेश में हिंसा हो रही है। अब तक सरकारी आंकड़ों के मुताबिक डेड़ सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वैसे यह सरकारी आंकड़ा 130 है और यह कितना सच है, इसे समझा जा सकता है। नौकरियों की कमी से गुस्साए प्रदर्शनकारी उस प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे, जिसके तहत 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वालों के परिजनों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जाता था. सरकार ने बड़े पैमाने पर छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद 2018 में इस पर रोक लगा दी थी, लेकिन जून में बांग्लादेश के हाई कोर्ट ने आरक्षण बहाल कर दिया था, जिसके बाद देश में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरु हो गए थे। हालांकि हालात बिगड़ते देख कर सुप्रीम कोर्ट ने हाइकोर्ट के आरक्षण के आदेश को रोक लगा दी है। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार के अपने फैसले में कहा कि 93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां योग्यता आधारित प्रणाली के आधार पर आवंटित की जाएं, पांच प्रतिशत 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भाग लेने वालों के परिजनों और अन्य श्रेणियों के लिए दो प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जाएं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है।

इस बीच अब आरक्षण के खिलाफ जारी प्रदर्शन बांग्लादेश में हिंदुओं के विरोध में बदलता जा रहा है। बांग्लादेश में जारी हिंसक प्रदर्शनों के बीच एक हजार भारतीय छात्रों की वतन वापसी हो गई है। हालांकि अभी भी वहां हजारों की संख्या में छात्र फंसे हैं, जो जल्द घर आने की कोशिशों में जुटे हैं। बांग्लादेश में इस हफ्ते सरकारी नौकरियों के लिए विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर बवाल मचा हुआ है। दरअसल बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हो रहे विरोध प्रदर्शन शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार की नौकरी कोटा प्रणाली के खिलाफ हैं, जो कुछ समूहों के लिए सरकारी नौकरियों का एक बड़ा हिस्सा आरक्षित करती है। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि यह प्रणाली भेदभावपूर्ण है और मेधावी उम्मीदवारों को सरकारी पद हासिल करने से रोकती है। आरक्षण के विरोध में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है, वैसे तो यह उसका आंतरिक मामला है लेकिन इसके संदर्भ भारत से भी बहुत गहरे जुड़े हुए हैं। बांग्लादेश में पहले 30 प्रतिशत आरक्षण बांग्लादेश मुक्ति संग्राम सेनानियों के परिवारों को मिलता था। लेकिन इस आरक्षण के खिलाफ बांग्लादेश में आंदोलन हुआ जिसके बाद इसे वापस ले लिया गया था। आंदोलन उचित भी था क्योंकि बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन को आधी सदी हो गया है, अब उनकी तीसरी पीढ़ी को आरक्षण देने का कोई मतलब नहीं। लेकिन नेता अपना स्वार्थ देखता है भले ही इसके लिए देश बर्बाद हो जाये। कुछ लोग अदालत में गये और यह फैसला ले आये कि 30 फीसद आरक्षण फिर लागू किया जाये। संभवत: शेख हसीना की सरकर ने अदालत से इस तरह का फैसला करवाया और फिर उसे लागू कर दिया। इसका कारण यह है कि बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन से ही शेख हसीना ही पार्टी बनी है और ज्यादातर स्वतंत्रता सेनानी के परिवार शेख हसीना की पार्टी में ही हैं।

इस तरह 30 प्रतिशत आरक्षण का सीधा लाभ शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के कार्यकर्ताओं को मिलता है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इसीलिए अति उत्साह में 30 प्रतिशत आरक्षण लागू किया। लेकिन उनको जनता के विरोध का अंदाजा नहीं था। आरक्षण लागू होते ही बांग्लादेश के लोग सड़कों पर आ गये और पूरे बांग्लादेश को हिंसा के हवाले कर दिया। परिणाम स्वरूप सैकड़ों लोग मारे गये। तमाम सरकारी भवनों को आगे के हवाले कर दिया गया। पूरा बांग्लादेश जल उठा। हिंसा कहीं भी हो उसको जायज नहीं ठहराया जा सकता है। कोटा विरोधी प्रदर्शनों को कॉर्डिनेट करने वाले नाहिद इस्लाम ने कहा, कि रहम सामान्य रूप से कोटा प्रणाली के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हम चाहते हैं, कि 1971 के स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए 30 प्रतिशत कोटा खत्म कर दिया जाए। उन्होंने कहा, कि 'बांग्लादेश में कई युवाओं के लिए सरकारी नौकरियां ही एकमात्र उम्मीद हैं, और यह कोटा प्रणाली उन्हें अवसरों से वंचित कर रही है।' प्रदर्शनकारियों का मानना है, कि ये रिजर्वेशन प्रधानमंत्री शेख हसीना की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए दिया जाता है और आरक्षण से उनकी सरकार को भारी फायदा मिलता है, क्योंकि आरक्षण लेने वाले उनके ही समर्थक हैं।

आंदोलनकारियों का मानना है कि कोटा का गलत फायदा उठाया जा रहा है। उनका तर्क है, कि कोटा भेदभावपूर्ण है और इसे योग्यता आधारित प्रणाली से बदला जाना चाहिए।भारत की तरह बांग्लादेश में भी सरकारी नौकरियों का क्रेज है, क्योंकि इसमें काफी अच्छा वेतन दिया जाता है। लेकिन, आधे से ज्यादा सरकारी नौकरियों में अलग अलग आरक्षण व्यवस्था है। प्रदर्शनकारियों का दावा है, कि वे किसी भी राजनीतिक समूह से जुड़े नहीं हैं। अल–जजीरा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस आंदोलन को छात्र विरोधी भेदभाव आंदोलन के रूप में जाना जाता है। राजधानी में ढाका विश्वविद्यालय और चटगांव विश्वविद्यालय के हजारों छात्र आरक्षण विरोधी आंदोलन में शामिल हो गए हैं। और फिर यह देश के अन्य विश्वविद्यालयों में भी फैल गया है। लेकिन इस बीच कुछ ऐसी वीडियोज भी सामने आई है, जो इस बात की तस्दीक कर रहा है कि यह विरोध प्रदर्शन अब हिंदू विरोधी होते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर बांग्लादेश से वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि आरक्षण के विरोध में जारी हिंसा अब हिंदुओं के खिलाफ में बदलती जा रही है। यहां तक बताया जा रहा है कि हिंसा की आड़ में प्रदर्शनकारी हिंदू लोगों का घर तक फूंक रहे है।

बांग्लादेश में जो आरक्षण विरोध का हिंसा चल रहा है उसे अब भारत विरोध और हिंदू विरोध में बदल दिया गया। यह प्रदर्शनकारी माइक पर बोल रहा है– 'भारत जादेर मामार बारी, बांग्ला छारो तारा तारी' यानी 'जिनके चाचा का घर भारत है, वे बांग्लादेश को जल्दी से छोड़ दें।' पता चल रहा है कि बांग्लादेश में जो थोड़े बहुत हिंदू बच गए हैं इस हिंसा की आड़ लेकर उनके घर फूंके जा रहे हैं उन पर हमला किया जा रहा है और पूरे बांग्लादेश में भारत विरोधी माहौल बनाया जा रहा है। आपको बता दें कि बांग्लादेश में जारी आरक्षण के खिलाफ हिंसा में अब तक 130 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं इस हिंसा के चलते अब तक 4 हजार से ज्यादा भारतीय छात्र स्वदेश लौट आए हैं। वहीं देश में आरक्षण को लेकर मचे बवाल के बीच बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण रविवार को घटा दिया।

बजट में रक्षा क्षेत्र के साथ हुआ न्याय

आरके सिन्हा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का साल 2024-25 का बजट पेश करते हुए रक्षा क्षेत्र के लिए 4.54 लाख करोड़ का प्रस्ताव किया। यह संयोग ही है कि कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) से चंदेक दिन पहले ही संसद में पेश आम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए ठीक-ठाक राशि का ही प्रस्ताव किया गया। भारत अपने रक्षा बजट की किसी भी सूरत में अनदेखी नहीं कर सकता। कारण हम सबको पता है। हमारे दो गैर-जिम्मेदाराना हरकतों के लिये कुख्यात पड़ोसी- चीन और पाकिस्तान भारत के कट्टर शत्रु देश हैं। इनसे भारत के कई युद्ध भी हो चुके हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान तो भारत में आतंकवाद को लगातार हवा-पानी देता रहता है। यह हमने हाल ही में जम्मू में भी देखा। जम्मू क्षेत्र में आतंकी हमलों में वृद्धि के मद्देनजर, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने विगत 20 जुलाई को जम्मू का दौरा भी किया था। वह वहां सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने आला सैनिक अफसरों के साथ आतंकवाद को कुचलने की रणनीति पर भी बातचीत की थी। जम्मू में इस साल छह अलग-अलग आतंकी हमलों में 11 सशस्त्र बल कर्मियों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा, पिछले महीने आतंकियों ने रियासी में एक बस पर फायरिंग की थी। इसके बाद बस के खाई में गिरने से 9 यात्रियों की मौत हो गई थी। इसके अलावा अक्टूबर 2021 से आतंकवादी डोडा, कठुआ और रियासी जैसे क्षेत्रों में और भी अंदर तक पहुंच गए हैं। पिछले महीने जनरल मनोज पांडे से सेना प्रमुख के रूप में पदभार संभालने के बाद से जनरल द्विवेदी का जम्मू क्षेत्र का यह दूसरा दौरा था।

तो बहुत साफ है कि भारत के रक्षा क्षेत्र के सामने बहुत चुनौतियां है। उसे पाकिस्तान और चीन की करतूतों से लगातार लड़ना पड़ता है। भारत की पाकिस्तान से 1947, 1965, 1971 और फिर करगिल में जंग हुई। चीन से भी हमारी भीषण जंग 1962 में हुई। कुछ साल पहले चीन से दोकलम में भी लड़ाई की ही नौबत आ चुकी थी। लेकिन, भारत की कुशल कूटनीति से युद्ध टल गया था। भारत के चीन और पाकिस्तान से कई विषयों पर विवाद हैं। इसीलिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने समझदारी पूर्वक रक्षा बजट के लिए एक बड़ी राशि देने का प्रस्ताव रखा। चीन ने 1962 की जंग के बाद हमारे अक्साईचिन पर अपना जबरदस्ती कब्जा जमा लिया था। यह क्षेत्र 37,244 वर्ग किलोमीटर है जिसमें अनेक गलैशियर भरे पड़े हैं। यह पूरे कश्मीर घाटी जितना बड़ा इलाका है। भारत को उस चीन द्वारा जबरदस्ती ढंग से कब्जाए क्षेत्र को वापस तो लेना ही है। चीन हमारे अरुणाचल प्रदेश पर भी गिद्ध दृष्टि रखता है। तो भारत को अपने रक्षा बजट को निरंतर बढ़ाने के साथ सेना के सभी अंगों को और मजबूत तो करना ही होगा। इस बारे में कोई बहस संभव नहीं है।

भारत लगातार अपने रक्षा क्षेत्र को बदलते वक्त के साथ तैयार भी कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीए) पद सर्जित करने की घोषणा की थी। यह कदम भारतीय सशस्त्र बलों में आपसी तालमेल को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। हालांकि यह पहल कारगिल युद्ध के 18 साल बाद हुई। आप जानते हैं कि कारगिल युद्ध में भारत ने पाकिस्तान के गले में अंगूठा डाल दिया था। कारगिल युद्ध भारतीय सेना और राष्ट्रीय खुफिया एजेंसियों के लिए एक बड़ा झटका था। 84 दिनों तक चला यह युद्ध 15,000 फीट की ऊँचाई पर 200 किलोमीटर लम्बी सीमा पर लड़ा गया। यह युद्ध भारतीय सेना के लिए प्रमुख सुधारों और नवीनीकरण का उत्प्रेरक बना। देश की सरहदों की निगाहबानी करने वालों के लिए कारगिल का सबसे बड़ा सबक था – अप्रत्याशित की उम्मीद करना। भारतीय सेना ने कभी नहीं सोचा था कि जनरल परवेज मुशर्राफ के नेतृत्व में पाकिस्तानी सेना कारगिल सेक्टर में घुसपैठ करेगी।कारगिल युद्ध का एक महत्वपूर्ण सबक यह भी था कि भारत को आधुनिक हथियारों और गोला-बारूद में आत्मनिर्भर होना होगा। यह तो जाहिर है कि भारत सरकार रक्षा क्षेत्र के सामने कभी धन की कमी महसूस नहीं होने देती। जब देश के इर्द-गिर्द दो बड़े शत्रु राष्ट्रों की सरहदें मिलती हो तब भारत से यह अपेक्षा करना उचित ही नहीं होगा कि वह अपने रक्षा बजट में कटौती करने की सोचे भी। अगर बात आम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए धन की आवंटन से हटकर करें, तो भारत को अपने रक्षा क्षेत्र में लगातार सुधार करते ही रहना होगा। यह अच्छी बात है कि सरकार सेना, नौसेना और वायु सेना के एकीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो संकट के समय में उनके बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगा। पहले तीनों सेनाएं अपने-अपने स्तर पर काम करती थीं। मौजूदा सरकार ने उनके एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया, जो लीक से हटकर कर एक अलग कदम था और यह समय की मांग भी थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा भी था सेना के तीनों अंगों में समन्वय का काम थोड़ा कठिन था; लेकिन, अब हमारी सेना बेहतर समन्वय के साथ हर चुनौती से निपटने के लिए मिलकर काम करने को तैयार रहती है।

कुछ लोगों का विचार था, स्वदेशी हथियार विश्व स्तरीय नहीं होंगे; लेकिन, वर्तमान सरकार घरेलू उद्योग की क्षमताओं में विश्वास करती है। यह जान लीजिए कि कोई भी सेना बाहर से आयातित उपकरणों से अपने देश की रक्षा नहीं कर सकती है और आज के समय में भारत के लिए रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता आवश्यक है। आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत सरकार के लगातार प्रयास अब लाभ देने लगे हैं, क्योंकि; भारत का रक्षा उत्पादन एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारे स्थापित करने जैसी पहल के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि आधुनिक सैन्य साजो-सामान न केवल भारत में निर्मित हो, बल्कि उन्हें मित्र देशों को भी निर्यात किया जाए। पहले भारत को हथियार आयातक राष्ट्र के रूप में जाना जाता था। लेकिन, आज भारत अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आ गया हैं और हमने हथियार निर्यातक शीर्ष-25 देशों की सूची में जगह बना ली है। कुछ साल पहले तक

भारत के रक्षा क्षेत्र का निर्यात 1,000 करोड़ रुपये तक भी नहीं पहुंच पाता था, जबकि आज यह 16,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सरकार को 2028-29 तक वार्षिक रक्षा उत्पादन तीन लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की आशा है। संक्षेप में इतना ही कहना काफी होगा कि भारत सरकार को अपने रक्षा क्षेत्र पर लगातार फोकस देते रहना ही उचित होगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

सड़कों पर हाई बीम हेडलाइट्स से खतरा

मनतार सिंह

भारतीय शहरों की सड़कों पर ड्राइविंग करना अपने आप में एक बहुत बड़ी चुनौती है, जिसमें संकरी गलियां, भारी यातायात और अनुशासनहीन ड्राइविंग प्रथाओं का हर संभव सामना करना पड़ता है। इन खतरों के बीच, हाई बीम हेडलाइट्स का अनुचित उपयोग एक महत्वपूर्ण खतरे के रूप में उभरा है। हाई बीम हेडलाइट्स, जो मुख्य रूप से अंधेरे ग्रामीण सड़कों पर दृश्यता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं, शहरी क्षेत्रों में अक्सर गलत तरीके से उपयोग की जाती हैं, जिससे अन्य ड्राइवरों और पैदल चलने वालों को चकाचौंध और असुविधा होती है। यह व्यापक मुद्दा दुर्घटनाओं में योगदान देता है और कड़े नियमों और जागरूकता अभियानों की आवश्यकता को उजागर करता है। दुपहिओं और चौपहियों वाली गाड़ियों में हेडलाइट्स को सेट करने के लिए नियम बहुत ही कड़े होते थे। बाकायदा बड़ी गाड़ियों के हेडलाइट्स पर ऊपर की और से काला रंग की पट्टी लगनी पड़ती थी जिससे हाई बीम की लाइट सामने से आने वाले गाड़ियों के ड्राइवर को आँखों में चकाचौंध रौशनी न लगे। चौपहिया गाड़ियों में लो-बीम यानि डिपर में दाहिनी साइड के हेडलाइट को नीचा रखा जाता था तथा बायीं ओर के लाइट को ऊपर रखा जाता था और हाई बीम हेडलाइट्स के लिए दाहिनी और बायीं वाली दोनों लाइट भी ऊपर रखी जाती थी। दोपहियों वाहनों में लो- बीम यानि डिपर नीचे और हाई बीम ऊपर होती है। जिससे कि सामने से आने वाले वाहन चालक को असुविधा न हो। परन्तु आजकल देखा गया है कि हेडलाइट्स की सेटिंग शायद होती ही नहीं है। ऊपर हो या नीचे हो, एक ही सेटिंग्स रहती है और वह भी हाई बीम और उससे सामने वाले की आंखें चकाचौंध हो जाती है।

हाई बीम हेडलाइट्स का उद्देश्य कम रोशनी वाली स्थितियों में उपयोग करना है, आमतौर पर ग्रामीण या कम आबादी वाले क्षेत्रों में जहां सड़क प्रकाश व्यवस्था अपर्याप्त होती है। शहरी क्षेत्रों में, जहां सड़क रोशनी और वाहन घनत्व अधिक होता है, हाई बीम का उपयोग न केवल अनावश्यक है बल्कि खतरनाक भी है। तीव्र प्रकाश आने वाले ड्राइवरों के लिए अस्थायी अंधापन पैदा कर सकता है, उनकी प्रतिक्रिया समय को कम कर सकता है और दुर्घटनाओं की संभावना को बढ़ा सकता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के एक अध्ययन के अनुसार, भारतीय शहरों में लगभग 60% ड्राइवरों ने हाई बीम चकाचौंध के कारण अस्थायी अंधापन का अनुभव किया है।

आंकड़ों के अनुसार भारतीय शहरों में हाई बीम हेडलाइट्स का दुरुपयोग व्यापक है। ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 70% शहरी ड्राइवर अक्सर हाई बीम का उपयोग करते हैं। इसके अलावा, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में लगभग 10% सड़क दुर्घटनाओं का कारण हाई बीम हेडलाइट्स का दुरुपयोग है।

केवल दिल्ली में ही, 2022 में यातायात पुलिस ने हाई बीम उपयोग से संबंधित 5,000 से अधिक शिकायतें दर्ज कीं। इसी प्रकार, मुंबई में रात के समय सड़क दुर्घटनाओं में 15% की वृद्धि देखी गई, जिसमें हाई बीम हेडलाइट्स एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में पहचानी गई। ये आंकड़े तत्काल सुधारात्मक उपायों की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

हाई बीम हेडलाइट्स का प्रभाव केवल ड्राइवरों की असुविधा तक सीमित नहीं है। पैदल यात्री, साइकिल चालक और मोटरसाइकिल सवार विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। तीव्र चकाचौंध करने वाली लाइट पैदल यात्रियों को भ्रमित कर सकती है, जिससे वे सड़क पार करने के दौरान दुर्घटनाओं का शिकार हो सकते हैं। साइकिल चालक और मोटरसाइकिल सवार, हाई बीम की चकाचौंध से अंधे हो सकते हैं, जिससे उनका संतुलन बिगड़ सकता है और वे अन्य वाहनों या बाधाओं से टकरा सकते हैं।

समस्या के कई कारक भारतीय शहरों में हाई बीम हेडलाइट्स के व्यापक दुरुपयोग में योगदान करते हैं:

जागरूकता की कमी: कई ड्राइवर हाई बीम और लो बीम हेडलाइट्स के उचित उपयोग से अनजान हैं। शहरी क्षेत्रों में हाई बीम के उपयोग से जुड़े खतरों के बारे में आमतौर पर कम समझ है। उन्हें यह शायद नहीं पता है कि शहरी क्षेत्रों में लो बीम और हाइवेज पर हाई बीम का इस्तेमाल करना चाहिए।

प्रवर्तन की कमी: हेडलाइट उपयोग से संबंधित यातायात नियमों को अक्सर सख्ती से लागू नहीं किया जाता है। हाई बीम उपयोग से संबंधित उल्लंघन शायद ही कभी जुर्माना या दंड का परिणाम होते हैं, जिससे रोकथाम का अभाव होता है।

खराब सड़क स्थितियां: कुछ क्षेत्रों में, अपर्याप्त सड़क प्रकाश और खराब सड़क स्थितियां ड्राइवरों को बेहतर दृश्यता के लिए हाई बीम का उपयोग करने के लिए मजबूर करती हैं, जिससे अनजाने में दूसरों के लिए खतरा पैदा होता है।

प्रतिस्पर्धा दृष्टिकोण : ड्राइवरों के बीच अपनी दृश्यता को दूसरों की सुरक्षा पर प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रकार का प्रतिस्पर्धा हाई बीम उपयोग से संबंधित नियमों के उल्लंघन में योगदान देता है। इसमें मेरे ख्याल से चीन से आयातित एलईडी लाइट्स का भी बहुत बड़ा योगदान हो सकता है। इनकी रोशनी एकदम सूरज की तरह तेज होती है और इसका व्यवहार करने के लिए हमारे आस पास के मैकेनिक और सर्विस सेंटर्स का भी बहुत बड़ा योगदान हो सकता है। हेडलाइट्स के बारे में उचित सलाह न दे कर वे इन आयातित लाइट्स बल्ब लगा गाड़ियों की रौशनी बढ़ा देतें हैं और ऐसा कर वे एक दूसरे के प्रति एक तरह की प्रतियोगिता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं।

भारतीय शहर की सड़कों पर हाई बीम हेडलाइट्स के खतरे को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

जागरूकता अभियान: सार्वजनिक जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि ड्राइवरों को हाई बीम के दुरुपयोग के खतरों और हेडलाइट्स के उचित उपयोग के बारे में शिक्षित किया जा सके। शैक्षिक कार्यक्रमों को ड्राइविंग स्कूलों और लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं में एकीकृत किया जा सकता है।

सख्त प्रवर्तन: यातायात पुलिस को मौजूदा नियमों को अधिक सख्ती से लागू करना चाहिए। हाई बीम दुरुपयोग के लिए जुर्माना और दंड लागू करने से रोकथाम हो सकती है।

सुधारित बुनियादी ढांचा: सड़क प्रकाश व्यवस्था और सड़क स्थितियों में सुधार करने से हाई बीम उपयोग की धारणा को कम किया जा सकता है। अच्छी तरह से रोशनी वाली सड़कों और ठीक से बनाए गए मार्गों से समग्र सुरक्षा में सुधार हो सकता है।

तकनीकी समाधान: स्वचालित हेडलाइट समायोजन प्रणालियों से लैस आधुनिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करना मदद कर सकता है। ये सिस्टम परिवेश के वातावरण और आने वाले यातायात के आधार पर स्वचालित रूप से हाई और लो बीम के बीच स्विच कर सकते हैं।

भारतीय शहर की सड़कों पर हाई बीम हेडलाइट्स का खतरा एक गंभीर मुद्दा है जिसे तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। जागरूकता बढ़ाकर, नियमों को लागू करके, बुनियादी ढांचे में सुधार करके, और तकनीक का लाभ उठाकर, हाई बीम दुरुपयोग से जुड़े खतरों को कम किया जा सकता है। सुरक्षित सड़कों को सुनिश्चित करना एक सामूहिक जिम्मेदारी है, और इस मुद्दे को संबोधित करना उस लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

किसान आंदोलन की समाधान राहें बातचीत से ही खुलेगी

ललित गर्ग

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने किसान-आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक 'तटस्थ मध्यस्थ' की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण सुझाव को आकार देने की बजाय किसान-आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते है? क्यों अव्यवस्था फैलाने चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए।

किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है। यह बड़ा सच है कि बात करने से ही बात बनती है। बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है। ऐसे आन्दोलन को उग्र करने की विपक्षी दलों की मानसिकता भी संदेहों एवं अविश्वासों से घिरी है। अच्छा हो कि विपक्षी दल एवं नेता प्रचार पाने के लिए विरोध की बेतुकी रस्म निभाने के बजाय बजट में कृषि क्षेत्र के लिये किये गये बड़े ऐलानों पर गौर करें। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। इनमें कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए मौसम में बदलाव को बरदाश्त कर सकने वाली फसलों की प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए एग्रीकल्चर रिसर्च के बजट को भी बढ़ाया गया है। विपक्षी पार्टियां लगातार किसानों एवं कृषि को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रही हैं। कोई न कोई बहाना चाहिए विरोध का, अब किसान-आन्दोलन के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की जुगत में देश का कितना नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता। जबकि भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थ-व्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। कृषि में उत्पादकता, किसानों के हितों एवं कृषि की सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में जो नौ प्राथमिकताएं शामिल है, उनमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से खेती-किसानी की दशा-दिशा सुधरने की आस बढ़ी है। विभिन्न फसलों की प्रस्तावित 109 किस्मों से भी उत्पादकता में बढ़ोतरी की उम्मीद है। ये किस्में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के विरुद्ध कवच का काम करेंगी। दलहन-तिलहन को प्राथमिकता, डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त किसान उत्पादक संघों यानी एफपीओ एवं भंडारण और आपूर्ति शृंखला पर ध्यान देने जैसे उपाय उपज को पहुंचने वाले नुकसान को घटाने एवं कीमतों में स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ की बड़ी राशि आवंटित की गई है। भले ही सरकार ने सीधे तौर पर बजट में किसानों की आय बढ़ाने और एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित न किए जाने से किसानों को निराशा हुई हो लेकिन बजट में तिलहन में आत्मनिर्भरता, सब्जी उत्पादन केन्द्र विकसित करने और खेती के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की बात कही गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बजट से आने वाले समय में एग्रीकल्चर सेक्टर की विकास की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी जो सीधे तौर पर किसानों की आय भी बढ़ायेगा एवं उन्नत कृषि को प्रोत्साहन भी देगा।

असल में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगें राजनीतिक मुद्दे बन गये हैं, जिनके चलते हो रहा आन्दोलन न केवल किसानों के बल्कि आम जनता के लिये भी परेशानी का सबब है। जबकि सरकार ने धान का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए एमएसपी को बढ़ा कर 2300 कर दिया है जो स्वागत योग्य कदम है। उम्मीद थी की सरकार एमएसपी पर खरीद को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाएगी। लेकिन बजट में इस तरह का कोई प्रावधान न होने से काफी निराशा हुई है। दुनिया भर के विकसित देश अनिवार्य रूप से किसानों की उपज को एमएसपी पर खरीदते हैं। लेकिन भारत में किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता। विपक्षी दल किसानों के हित में आन्दोलन की बजाय बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़े। स्तरीय विरोध हो, किसानों को गुमराह करने एवं उनका मनोबल कमजोर करने के लिये विपक्षी दल उजालों पर कालिख न पोते, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावनाएं है।

न्यूट अपडेट

लैंगिक उत्पीड़न एवं आईएम शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना पर कार्यशाला आयोजित

चमकता राजस्थान, धौलपुर (रामदास तरुण)। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा 100 दिवसीय संकल्प अभियान के तहत गुरूवार को नगर परिषद सभागार में। आयोजित किये जा रहे महिला केंद्रित विधान सप्ताह के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। साथ में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र महिला थाना धौलपुर द्वारा भी वार्षिक कार्यशाला आयोजित की गई। केंद्र का संचालन एनजीओ प्रयास ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में धौलपुर और सैपऊ उपखंड के विभिन्न विभागों के ब्लॉक स्तरीय कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों एवं पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बडौदा सहित प्रमुख बैंको के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। अध्यक्षता करते हुए सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विश्व देव पांडेय द्वारा महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधिनियम 2013 के विभिन्न प्रावधानों, नियोजक के कर्तव्यों, स्थानीय एवं आंतरिक समितियों की कार्यप्रणाली, गठन आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं आईएम शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत आवेदन की पद्धति, लोनिग की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। आरसीएचओ डॉ. शिवकुमार शर्मा द्वारा पीसीपीएनडीटी अधिनियम और मुखबिर योजना की जानकारी दी गयी। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी पप्पू सिकरवार और सीबीईओ सैपऊ राघव द्वारा महिला सशक्तिकरण के विषय मे अपने विचार साझा किए। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एम्बेसडर पार्वती कुशवाहा द्वारा भी अपने अनुभव बताए गए। एमएसएसके काउंसलर भावना शर्मा और पूजा सेंगर द्वारा महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों की कार्यप्रणाली समझाई गयी एवं ऋतु सक्सेना द्वारा वन स्टॉप सेंटर की जानकारी दी गयी। जेंडर स्पेशलिस्ट कनुप्रिया कौशिक द्वारा घरेलू हिंसा अधिनियम एवं नवीन क्रिमिनल लॉज़ की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सहायक लेखाधिकारी मांगीलाल आर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महिला अधिकारिता विभाग की धौलपुर और सैपऊ ब्लॉक की साथिनों, नगर परिषद की महिला सफाई कर्मचारियों, महाविद्यालयो छात्राओं आदि ने शिरकत की।

जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह परमार की अध्यक्षता में राशन डीलर संघ की बैठक आयोजित

चमकता राजस्थान, धौलपुर(रामदास तरुण)। राशन डीलर संघ बड़ी की बैठक जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह परमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें बाड़ी शहर के ब्लॉक अध्यक्ष विजय मीणा को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया ! एवं बाड़ी ग्रामीण से प्रमोद शर्मा उर्फ पम्मी को ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया ! सभी की सहमति से मीटिंग में निर्णय लिया गया की दिनांकः 28.7.2024 से संगठन को मजबूत बनाने के लिए मशीनों को बंद रखा जाएगा ! जब तक ऊपर से निर्णय नहीं होगा जब तक पोस मशीन बंद रखेगै ' साथ ही यह निर्णय लिया गया, ग्रामीण इलाके की पोस मसीने प्रमोद शर्मा के पास 28 तारीख तक अपना नाम लिखकर जमा करवाए यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है ! जिसमें उपस्थित राशन डीलर जिला अध्यक्ष रामनाथ परमार जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर मंगल जिला कार्यकारिणी भीमसेन ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद शर्मा शहर ब्लॉक अध्यक्ष विजय मीणा, सुल्तान सिंह, चंद्रप्रकाश, टैलसिंह, ऋषि शर्मा, जितेंद्र पाठक, त्रिलोक चौधरी, योगेश जादौन, अजय मीणा, सुनील, प्रेम सिंह, रामदास, अमर सिंह, रामेश्वर, उग्रसेन, बनवारी, नवाब सिंह, रघुवीर, रमाकांत, धर्म सिंह मीणा, भूरा सिंह एवं अन्य राशन डीलर उपस्थित हुए।

सिवाना क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मुलाकात कर जताया आभार

चमकता राजस्थान, जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरूवार को विधानसभा में बाड़मेर जिले के सिवाना विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल के नेतृत्व में 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बजट 2024-25 में सिवाना विधानसभा क्षेत्र के लिए विकास कार्यों की घोषणा के लिए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस बजट में हर क्षेत्र और हर वर्ग के लिए कल्याणकारी कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों का केन्द्र बिन्दु है। परिवर्तित बजट इसी संकल्पना को साकार करने की रूपरेखा है। इस दौरान सिवाना विधायक सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कुलपति महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के नाम सौप - ज्ञापन

चमकता राजस्थान, धौलपुर(रामदास तरुण)। कुलपति महाराजा सूरजमल ब्रिज विश्वविद्यालय भरतपुर के नाम राहुल कौशल छात्र नेता के नेतृत्व में दिया गया ज्ञापन, विषय, इ.एं की काउंसलिंग की अंतिम तिथि आज, फिर भी स्नातक का नहीं हुआ परीक्षा परिणाम घोषित। भरतपुर संभाग के हजारों बच्चों का भविष्य अंधकार में चूँकि बी एड की काउंसिलिंग की आज अंतिम तिथि है। लेकिन अभी तक स्नातक की परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम नहीं आया। महाराजा सूरजमल ब्रिज विश्वविद्यालय का परीक्षा परिणाम ना आने के कारण हजारों छात्र-छात्राएं परेशान हैं। ऐसे में वह इ.एं में किस तरह से प्रवेश लेने यह एक समस्या का विषय बना हुआ है। क्या विश्वविद्यालय इस समस्या का समाधान कर पाएगा या तिथि बढ़ाने पर होगा, समाधान इस मौके पर राहुल कौशल छात्र नेता, ऋषभ शर्मा सतीश यादव आकाश शर्मा, परसोतम, आमीर खान, ऋषभ भारद्वाज,पवन सचिन आदि लोग मौजूद रहे !

हाईटेक बनें परिवहन विभाग के उड़नदस्तें

उपमुख्यमंत्री ने कैमरों से लैस उड़नदस्तों को दिखाई हरी झंडी

चमकता राजस्थान

जयपुर। उप मुख्यमंत्री व परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग मंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने गुरुवार को परिवहन मुख्यालय से हाईटेक कैमरों से लैस उड़नदस्तों को हरी झंडी दिखायी। उन्होंने बताया कि सरकार के द्वारा सभी विभागों में पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की दिशा में कार्य किया जा रहा है। परिवहन विभाग के द्वारा भी विभाग की गतिविधियों को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए उदानदस्तों पर डैश कैम एवं इन पर तैनात कार्मिकों की यूनिफॉर्म पर बॉडी कैम लगवाये गये है। इससे उड़नदस्तों के साथ होने वाले हादसों, मारपीट के घटनाओं पर अंकुश लगेगा। उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री के द्वारा गत बैठक में विभाग के उड़नदस्तों पर कैमरे लगवाने के निर्देश दिये गये थे, जिसके बाद पायलट प्रोजेक्ट के रूप में दो उड़नदस्ता वाहनों पर आगे -पीछे के लिए एक कैमरा एवं इन उड़नदस्तों पर तैनात कार्मिकों की यूनिफॉर्म पर बॉडीकैम पर लगवाये गये है। यह दोनों वाहन जयपुर आरटीओ प्रथम एवं जयपुर आरटीओ द्वितीय को आवंटित किये गये है। इन कैमरों में संग्रहित होने वाला डाटा नोन डिलेक्टऐबल फॉर्मेट में होगा, अर्थात उड़नदस्तों द्वारा इन्हे डिलीट नहीं किया जा सकेगा। इस से पूर्व उपख्यमंत्री को परिवहन गाड्र्स द्वारा सलामी भी दी गई।

ऑटोमेटेड ड्राइविंग ट्रायल ट्रैक पर प्रेजेंटेशन का अवलोकन

इस से पूर्व उपमुख्यमंत्री ने निजी फर्मों द्वारा तैयार ऑटोमेटेड ड्राइविंग ट्रायल ट्रैक सॉफ्टवेर पर प्रेजेंटेशन का भी अवलोकन किया। उन्होंने ऑटोमेटेड ड्राइविंग ट्रायल ट्रैक को लेकर तकनीकी ख़ामियों को दूर करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती श्रेया गुहा, परिवहन आयुक्त डॉ. मनीषा अरोडा सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहें।

जमात के पास शेष जी की डूंगरी पर भरा मेला में श्रद्धालुओं ने प्रसाद चढ़ाकर मांगी मन्नत

भंडारे में श्रद्धालु ने की प्रसादी ग्रहण

चमकता राजस्थान/ उदयपुरवाटी, (सुमेर सिंह राव)। कस्बे में जमात के पास संतों की तपोस्थली जमात स्थित पाली डूंगरी पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दादू पंथी संत श्री शेष राम बाबा का वार्षिक मेले का आयोजन किया गया ' मेले में काफी दूरदराज से आए हुए श्रद्धालुओं ने धोक लगाकर मन्नते मांगी ' मंदिर परिसर में नाग पंचमी के अवसर पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें दुर दराज से आए हुए श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की मंदिर परिसर में बुधवार की रात विशाल भजन संध्या का आयोजन भी किया गया जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक कारों द्वारा भजनों की रस गंगा भी प्रवाहित की गई।

हमें विरासत को अगली पीढ़ी को दिखाना भी और उसे संरक्षित भी करना है : दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में तथा प्रमुख शासन सचिव, पर्यटन, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग श्रीमती गायत्री राठौड़ की उपस्थिति में गुरुवार को शासन सचिवालय में बजट घोषणा एवं परिवर्तित बजट वर्ष 2024-25 में की गई बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के संबंध में बैठक आयोजित की गई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन, पुरातत्व तथा धार्मिक स्थानों का सुनियोजित विकास कार्य किये जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री के समक्ष इससे पूर्व अल्बर्ट हॉल म्यूजियम का उच्च आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए नवीनीकरण व सौंदर्यकरण करने के लिए तीन एजेंसियों की ओर से प्रस्तुतिकरण दिया गया। दिया कुमारी ने प्रस्तुतिकरण के दौरान अधिकारियों और एजेंसियों से कहा कि हमें विरासत को अगली पीढ़ी को दिखाना भी और उसे संरक्षित भी करना है। उन्होंने अल्बर्ट हॉल, आमेर तथा वॉल्ड सिटी जयपुर की धरोहर को संरक्षित करते हुए और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है, इस पर कार्य किये जाने के निर्देश दिए। बैठक में निदेशक, पर्यटन विभाग डॉ.रश्मि शर्मा तथा पर्यटन विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रही।

मां वाउचर योजना अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की होगी निःशुल्क सोनोग्राफी

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। राज्य सरकार द्वारा मां वाउचर योजना की शुरुआत की जा रही है। जिसमें गर्भवती महिला की दूसरी या तीसरी तिमाही में गर्भावस्था के दौरान निःशुल्क सोनोग्राफी कराई जाएगी, योजना में सोनोग्राफी सेंटरों को जोड़ा जाएगा। इस संबंध में राज्य स्तर से बुधवार को वीसी के माध्यम से अधिकारीयों को दिशा निर्देश दिए गए है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयंती लाल मीणा ने बताया कि विभाग द्वारा सॉफ्टवेयर पीटीसीएस इंपैक्ट और ओजस का इंटीग्रेटेड कर ऑनलाइन प्रणाली विकसित की गई है! पीटीएस पर पंजीकृत गर्भवती महिलाओं को लेटेस्ट मंथली पीरियड तारीख के अनुसार दूसरी या तीसरी तिमाही में प्रधानमंत्री मातृत्व अभियान दिवस पर आवशयक जांच के साथ-साथ सोनोग्राफी जांच करवाने के लिए क्यूआर कोड युक्त कूपन उनके रजिस्ट्रर्ड मोबाइल नंबर पर जारी किया जाएगा ! इस कूपन के माध्यम से गर्भवती महिला विभाग से अधिकृत किसी भी सोनोग्राफी केंद्र पर अपनी सोनोग्राफी जांच निःशुल्क करवा सकेगी।

पचलंगी ओम शिव गौशाला में किया वृक्षारोपण

चमकता राजस्थान/ उदयपुरवाटी, (सुमेर सिंह राव)। पचलंगी ओम शिव गौशाला परिसर में झडाया बालाजी मंदिर के महंत श्री श्री 108 श्री सीताराम दास जी महाराज के सानिध्य में बरगद का पेड़ लगाकर वृक्षारोपण किया गया ' ओम शिव गौशाला पचलंगी के संरक्षक एवं समाजसेवी मदनलाल भावरिया ने वृक्षारोपण के दौरान कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ लगाकर धरती का श्रृंगार करना चाहिए। भावरिया ने आगे कहा कि वृक्षारोपण के साथ-साथ उनमें रोज पानी डालने का भी संकल्प लें ' इस दौरान पांचू राम जांगिड़, मदनलाल भावरिया, रामलाल बडसरा, राकेश मटोलिया, गोवर्धन मीणा, मूलचंद जांगिड़, प्रभु दयाल जांगिड़ ,सुरेश चोटिया, सीताराम टेलर, लक्ष्मण कुड़ी, महेंद्र तेतरवाल सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

डिस्कॉम की तानाशाही रवैया के खिलाफ जनता में भारी आक्रोश

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। बाड़ी शहर के युवाओ ने जिला कलेक्टर के नाम, उपखंड अधिकारी को सौपा ज्ञापन, बाड़ी इस भीषण गर्मी में एक ओर जहां घंटो तक बिजलीं गुल रहतीं है ! वहीं दूसरी तरफ एक महीने बाद ही विधुत कनेक्शन काटने पर लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तथा कनेक्शन को फिर से चालू करने के लिए पेनल्टी तथा विभाग के चक्कर काटने पड़ रहें है। इस दौरान शहर के कुछ युवाओ ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौपते हुए बताया कि बाड़ी विद्युत विभाग के तानाशाही रवैया के चलते सिर्फ एक माह के बकाए पर विद्युत बिलों को विच्छेद यानी कि काटा जा रहा है। जिसके कारण इस सघन, दम घोंटू गर्मी में उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कनेक्शन विच्छेद के बाद उसको शुरू करने के लिए विभाग द्वारा पेनल्टी राशि लोगों से वसूली जा रही है। जबकि दूसरी ओर आधे से ज्यादा कस्बे में लाइनमैन 1 साल 6 माह तक रीडिंग लेने नहीं आते हैं। ऐसे में एक ओर बाड़ी में विद्युत की अस्त-व्यस्त व्यवस्था से घंटो गुल हो रही लाइट से लोग परेशान हैं ! तो वहीं दूसरी ओर बाड़ी डिस्कॉम का तानाशाही रवैया लोगों के लिए कोढ़ में खाज पैदा कर रहा है। उपखंड अधिकारी से निवेदन है ! कि सरकार द्वारा ऐसा कोई भी आदेश जारी नहीं हुआ है। सिर्फ बाड़ी डिस्कॉम के अधिकारियों द्वारा एक माह पर कनेक्शन विच्छेद का तानाशाह रवैया अपनाया जा रहा है। जिसे तुरंत प्रभाव से बंद कर विद्युत व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया जाये। जिससे लोगों को राहत मिल सके। ज्ञापन देने बालो मे ऋषभ शर्मा छात्र नेता, किशोरी भटेले, रिशभ भारद्वाज, छात्र नेता सतीश यादव, राहुल कौशल, आकाश शर्मा, दीपक शिवहरे, महावीर विद्योलिया, आमिर, पवन, खेमचंद्र, शेखर पचौरी, जितेंद्र दिघर्रा राकेश कुशवाह आदि उपस्थित रहें।

भजनलाल सरकार ने मंदिरों के विकास कार्यों पर किया विशेष फोकस

विशेष आयोजनों पर प्रमुख मंदिरों में होगी सजावट : जितेंद्र गोठवाल

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा महामंत्री और खंडार विधानसभा से विधायक जितेंद्र गोठवाल ने कांग्रेसी नेताओं द्वारा अयोध्या, महेंद्रीपुर बालाजी सहित धार्मिक स्थलों से लोकसभा चुनावों पर दिए जा रहे बयानों की निंदा की। गोठवाल ने कांग्रेसी नेताओं के बयान का पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा धर्म और धार्मिक स्थलों के विकास के नाम पर राजनीति नहीं करती, यह काम कांग्रेसी नेताओं का है। कांग्रेसी नेताओं ने देश को धर्म और जाति के नाम पर बांटा और सदैव चुनावी वोटबैंक की राजनीति की। कांग्रेस श्रद्धालुओं द्वारा मंदिरों में दी गई सहयोग राशि को भी वोटबैंक की तुष्टिकरण के लिए समुदाय विशेष पर खर्च कर देती है। उस समय उसे धर्म की मर्यादा और लोककल्याण की भावनाएं दिखाई नहीं देती। भाजपा महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि भाजपा मंदिरों का विकास जनभावनाओं को ध्यान में रखकर आस्था और श्रद्धा के लिए करवाती है। भाजपा जब जब भी मंदिरों की बात करती है तो सिर श्रद्धा से झुक जाता था। वहीं दूसरी ओर कांग्रेसी नेता और उनके आलाकमान रामसेतु तक के अस्तित्व को लेकर ही सवाल उठा रहे थे। जबकि रामसेतु को तो विज्ञान ने भी मान लिया। प्रदेश में भजनलाल सरकार ने देवस्थान विभाग की मांगों को ध्यान में रखते हुए राजस्थान के श्रद्धा का केंद्र खाटू श्याम मंदिर के विकास के लिए 100 करोड़ रूपए की घोषणा की, इसकी प्रदेश में ही नहीं, देशभर से श्याम भक्त भूरी भूरी प्रशंसा कर रहे है। भाजपा निस्वार्थ भक्तों की श्रद्धा का ध्यान रखते हुए मंदिरों का निर्माण और विकास कार्य करती है।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि एक ओर पिछली कांग्रेस सरकार थी जिसने रंगरोगन और मरम्मत के लिए तय किए गए 553 मंदिरों में से 217 मंदिरों में ही रंग रोगन करवाया, जबकि भाजपा की सरकार बनते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के 600 मंदिरों को विशेष आयोजनों पर सजाने, रोशनी करने तक के आदेश जारी कर दिए। यह फैसला भाजपा और कांग्रेस के दृष्टिकोण का दर्शाता है। पिछली सरकार ने जन जन के श्रद्धा का केंद्र और प्रथम पूज्य त्रिनेत्र गणेश भगवान मंदिर में 5 साल के दौरान एक रूपए का काम नहीं करवाया। इस लिए आज वो विपक्ष में और भाजपा सत्ता में बैठी है।

आध्यात्मिक शिक्षा हमें सुसंस्कारित एवं मर्यादित जीवन जीना सिखाती है : बीके ऋतु दीदी

चमकता राजस्थान, चंदलाई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चंदलाई एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शाखा टोंक के सयुक्त तत्वाधान में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी ऋतु दीदी ने विद्यालय की प्रिंसिपल सविता वर्मा, शिक्षक-शिक्षिका व छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर अनेक पौधे लगाए। इस मौके दीदी ने कहा आध्यात्मिक शिक्षा हमें सुसंस्कारित, मर्यादित व्यवहार करना सिखाती है। उन्होंने समय का महत्व बताते हुए कहा कि हमें किसी की कमी कमजोरी देखने में अपना समय व्यर्थ नहीं गंवाना है, बल्कि खुद को देखना है स्वयं की कमी कमजोरी को दूर करने का प्रयास करना है। अपने लक्ष्य को स्पष्ट कर सकारात्मक सोच के साथ उमंग उत्साह से आगे बढ़ाना है। कभी भी हताश निराश न हो सकारात्मक सोच से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान भी संभव है। वहीं उन्होंने ने कहा कि अपने वर्तमान व भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए आप सभी बच्चों को जितना संभव हो उतने पौधे लगाकर उसको बड़ा करने की जिम्मेदारी लेनी है। वही दीदी ने श्री देवनारायण मंदिर के सेवक बाबा रामलाल भगत के सहयोग से मंदिर परिसर में अनार, शीशम, अमरूद, हरशिंगार, बेलपत्र, मोगरा, गुड़हल, सदाबहार, आंवला, नीम आदि के अनेक पौधे लगाए। साथ ही बाबा रामलाल भगत को परमपिता परमात्मा शिव का दिव्य संदेश व ईश्वरीय सौगात दी।

संक्षिप्त खबरें

ड्राइवर की सूझबूझ से बची यात्रियों की जान

कोलकाता। यात्रियों से भरी चलती बस का पहिया खुलकर तालाब के पानी में जा गिरा। ड्राइवर की सूझबूझ से यात्रियों की जान बच गई। घटना गुरुवार सुबह चंडीतला के कालाचारा इलाके में हुई। इस दिन सुबह दक्षिणबंग परिवहन निगम की एक बस आरामबाग डिपो से धर्मतला आ रही थी। बस यात्रियों से भरी हुई थी। चंडीतला के कालाचारा इलाके में अहल्या बाय रोड से गुजरते समय चलती बस का अगला दाहिना पहिया अचानक निकल गया। पहिया खुलकर सड़क के किनारे एक तालाब में जा गिरा। अचानक पहिए ढीले हो गए और बस डगमगाने लगी। स्थिति को समझने के बाद ड्राइवर ने बस को कुछ दूर ले जाकर रोक दिया। घटना में किसी को चोट नहीं आई। इस दिन बस चालक शेख शहाबुद्दीन ने बताया कि बस आरामबाग से निकलने के बाद सोदपुर के पास पहियों से आवाज आ रही थी। शियाखला के आते ही शोर बढ़ गया। बस को रोक कर चेक किया गया। कुछ भी पता नहीं चला। बस फिर चलने लगी। बस की रफ्तार 40 से 45 किमी प्रति घंटा थी। अचानक अगला पहिया निकल जाता है। बस दाहिनी ओर झुक जाती है। ऐसे में अगर ब्रेक लगाया जाता तो बस के पलटने की आशंका थी। यात्रियों के बारे में सोचते हुए बस को बिना एक पहिए के ही कुछ दूर तक ले जाया गया। फिर उसने बस धीमी करके रोक दी। उनका मानना है कि रख-रखाव की कमी के कारण यह हादसा हुआ है। यात्री उत्पल दत्ता और कृष्णेंदु चक्रवर्ती ने कहा कि नशीब अच्छी थी की मरने से बचाया गया। यात्रियों ने ड्राइवर की उपस्थिति की सराहना की।

नीति आयोग की बैठक में शामिल नही होंगी ममता

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को दिल्ली नहीं गए। उन्हें आज दिल्ली जाना था। नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को दिल्ली में। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। ममता ने पहले ही जानकारी दे दी थी कि वह इस बैठक में मौजूद रहेंगी। आज दोपहर को दिल्ली के लिए रवाना होना था। अचानक उसने अपना मन बदल लिया।सूत्रों के मुताबिक, यह भी अनिश्चित है कि वह कल यानि शुक्रवार को दिल्ली जाएंगे या नहीं। हो सकता है कि ममता आखिरी वक्त में बैठक में शामिल न हों। ऐसे में वह दिल्ली का दौरा पूरी तरह रद्द कर सकते हैं। तृणमूल सूत्रों के मुताबिक, ममता ने अभी तक नीति आयोग की बैठक में शामिल होने का फैसला नहीं किया है। संयोगवश, कांग्रेस मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार किया। बजट में गड़बड़ी के कारण तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। राजनीतिक गलियारों में इस बात की अटकलें तेज हैं कि गठबंधन के चलते ममता अपना फैसला बदल सकती हैं।

बाइक-गाड़ी की टक्कर, 4 की मौत

कोलकाता। एक भयानक सड़क दुर्घटना। कांथी में गुरुवार भोर रात में बाइक-गाड़ी की टक्कर में एक महिला समेत 4 की मौत हो गई। घायल 1। दुर्घटना के कारण दीघा नंदकुमार राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात जाम हो गया। पूर्व मेदिनीपुर जिले के मरिश्दा थाना अंतर्गत दीघा नंदकुमार राष्ट्रीय राजमार्ग पर खारिपुकुरया बस स्टॉप के पास एक कार और बाइक की टक्कर हो गई। गाड़ी दीघा से नदिया के ताहेरपुर जा रही थी। टक्कर से दीघा लौट रहे एक पर्यटक की कार सड़क किनारे पलट गयी। बाइक भी गिर गयी। बाइक सवार तीन दोस्तों की मौत हो गई। कार में सवार एक महिला पर्यटक की मौत हो गई। बाइक पर सवार तीन मृत दोस्त विश्वजीत मंडल, शुभंकर जना, अतनु मंडल हैं। घर कांथी थाने के घोरघटा गांव में है। महिला पर्यटक का नाम कोयल सिंह है। ड्राइवर का हाथ टूट गया है। इस हादसे के बाद मारिशदा थाने की बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य किया। दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया।

पिस्टल और कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिले के कुंडवा चैनपुर थाना क्षेत्र में अपराध की योजना बनाते दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।जिसके पास से एक देशी पिस्टल चार कारतूस बरामद किये गये है। पकड़े गये बदमाशो की पहचान के सीतामढी जिले के बैरगनिया थाना क्षेत्र के पचटकी निवासी जयप्रकाश कुमार व पूर्वी चम्पारण जिले के आदापुर थानान्तर्गत कटगेनवा निवासी उपेन्द्र कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों का कोई आपराधिक इतिहास नहीं मिला है। सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने बताया कि दोनों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। छोपमारी दल में इंस्पेक्टर विजय कुमार, कुंडवा चैनपुर थानाध्यक्ष एस आई राकेश कुमार राय व सशस्त्र बल शामिल थे।

आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य को रोका

भागलपुर। जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र के सुर्यलोक कालोनी में सड़क निर्माण कार्य का गुरूवार को ग्रामीणों ने विरोध किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने बबाल मचाना शुरू कर दिया। यहां तक कि सड़क निर्माण कार्य रोक कर सड़क जाम कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि हमलोग कोयली सड़क किनारे कुतुबगंज निवासी हैं। सड़क का टेंडर बबरगंज से कोयली सड़क बनाने का हुआ है। लेकिन पार्षद की मिली भगत से सूर्यलोक कालोनी का सड़क निर्माण कराया जा रहा है, जबकि उक्त सड़क पूर्व से अच्छी स्थिति में बनी हुई है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि हमलोगों को आने जाने में काफी परेशानी होती है। बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं। एंबुलेंस भी हमारे मोहल्ले में नहीं आ सकती है। भूखे को अनाज देने के बदले पेट भरे लोगों को अनाज दिया जा रहा है। जो सड़क बनी हुई है। उसी सड़क के उपर मैटेरियल डाला जा रहा है।

कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज से गुस्साये युवा कांग्रेस

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूंका नीतीश का पुतला

एजेंसी

नवादा। नवादा जिला के कांग्रेस कार्यकताओं ने गुरुवार को विरोध मार्च निकाला और प्रजातंत्र चौक पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला फूंका। कांग्रेस कार्यकर्ता पटना में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज से नाराज थे। बुधवार को विधानसभा घेराव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया गया था।

पार्टी के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार उर्फ मंटन सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और सरकार विरोधी नारे लगाते हुए प्रजातंत्र चौक पर सीएम नीतीश कुमार का पुतला जलाया। लोग सरकार पर तनाशाही का आरोप लगा रहे थे, साथ ही सीएम से इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

इस दौरान पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष बंगाली पासवान, इंटक अध्यक्ष मनीष कुमार, बेदामी देवी, गायत्री देवी, महिला प्रकोष्ट की जिलाध्यक्ष शमा परवीण, रंजीत कुमार, अंजनी कुमार दीक्षित, अरविंद कुमार, एजाज अली मुन्ना, शैलेंद्र कुमार, महेंद्र शर्मा, पकरीबरावां प्रखंड अध्यक्ष अरूण कुमार, रौशन कुमार, दयानंद सिंह, कन्हैया कुमार, अजीत कुमार, रजौली प्रखंड अध्यक्ष राम रतन गिरी आदि कार्यकर्ता मौजूद थे। बता दें कि पुलिस के बल प्रयोग में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी., प्रदेश अध्यक्ष सहित कई कार्यकर्ता चोटिल हुए थे। पुलिस द्वारा वाटर कैनन का प्रयोग किया गया था साथ ही लाठी चार्ज किया गया था। नीट पेपर लीक, अग्निवीर योजना व बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने के खिलाफ युवा कांग्रेस कार्यकर्ता विधानसभा घेराव करने निकले थे।

ऑफिस टाइम के दौरान चलती बस में लगी आग

काले धुएं से ढका महाजाति सदन चौराहा

संवाददाता

कोलकाता। ऑफिस टाइम के दौरान चलती बस में लगी आग। गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे महाजाति सदन के सामने मिनी बस में आग लग गयी। आसपास का इलाका धुएं से ढका हुआ है। दमकल कर्मियों और पुलिस ने तुरंत इस पर काबू पा लिया। किसी नुकसान की सूचना नहीं है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि यह घटना बस में आई यांत्रिक खराबी के कारण हुई है।

बस बीराटी से बिबाड़ी बाग आ रही थी। सेंट्रल एवेन्यू पर पहुंचेने के बाद से बस में ज्यादा यात्री नहीं थे। बस जैसे ही महाजाति सदन के पास पहुंची अचानक उसमें आग लग गयी। चारों तरफ काला धुआं छा गया। यात्री बस से उतर गए। दमकल की एक गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया गया। पुलिस बस चालक को थाने ले गई। वे जांच कर रहे हैं कि आग कैसे लगी।

ड्राइवर ने कहा, "बस स्टार्ट नहीं हो रही थी। इसलिए मैंने बस को सड़क के किनारे ले लिया और स्टार्ट रोकने की कोशिश की। तभी आग लग गई। ऐसा लगता है कि कोई तार कनेक्शन ढीला था।ह्व उन्होंने यह भी कहा कि बस ज्यादा पुरानी नहीं है। मेंटेनेंस भी किया जाता है। उसके बाद भी यह घटना क्यों घटी, इसकी जांच की जा रही है।

ललन सिंह ने अपनी मां-बहन और पत्नी को कितना पढ़ाया है: राबड़ी देवी

एजेंसी

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री और बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को लेकर ललन सिंह द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणी पर गुरुवार को सदन में जोरदार हंगामा हुआ। राबड़ी देवी ने सवालिया लहजे में कहा कि ललन सिंह ने अपनी मां-बहन और पत्नी को कितना पढ़ाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कहा है कि महिलाओं को अपमानित करना बंद करें और उनसे माफी मांगें।

विधान परिषद के बाहर विरोधी दल की नेता राबड़ी देवी के नेतृत्व में विपक्ष की महिला सदस्यों ने जोरदार नारेबाजी की और मांग की सीएम नीतीश माफी मांगें। राबड़ी देवी ने कहा कि ललन सिंह अपनी पत्नी को कितना तक पढ़ाए-लिखाए हैं, जो दूसरी औरत पर आरोप लगाते हैं। ललन सिंह

बताएं कि उनकी मां-बहन और पत्नी कितनी पढ़ी लिखी हैं। ललन सिंह को और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को माफी मांगनी चाहिए, वे लोग बार-बार महिलाओं का अपमान नहीं करें।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा संसद में आम बजट पेश किए जाने के बाद बजट पर पूर्व सीएम और विधान परिषद मे विरोधी दल की नेता राबड़ी देवी का बयान सामने आया था। राबड़ी देवी ने बजट को बिहार के लिए झुनझुना बताया था। राबड़ी देवी ने कहा था कि केंद्र सरकार ने बिहार की हकमारी की है और बिहार की अनदेखी की गई है। उन्होंने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग केंद्र से की थी।

राबड़ी देवी के बयान पर मुंगेर से जदयू सांसद और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने तंज कसा था। ललन सिंह ने दिल्ली में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा था कि राबड़ी देवी तो बजट पर भी प्रतिक्रिया दे रही हैं। कितना लंबा साइन करती हैं, बजट जैसी चीज उनको कहां समझ में आएगी। इसके बाद सीएम नीतीश ने विधानसभा में राजद महिला विधायक रेखा पासवान को कहा था कि महिला न हो कुछ जानती हो, चुप रहो।

ललन सिंह और सीएम नीतीश कुमार के महिलाओं को लेकर दिए गए बयान को मुद्दा बनाकर विपक्ष ने गुरुवार को विधानसभा-विधानपरिषद के भीतर जोरदार हंगामा किया।

तर्कहीन टिप्पणियां, सुकांत मजूमदार के वक्तब्य को लेकर बीजेपी के अंदर गुस्सा

संवाददाता

कोलकाता। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने उत्तर बंगाल को देश के उत्तर पूर्व में मिलाने के अनुरोध के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बालुरघाट से सांसद की इस हरकत के बाद बीजेपी के भीतर बेचैनी की तस्वीर छा गई। कार्शियांग के बीजेपी विधायक विष्णुप्रसाद शर्मा ने सुकान्त पर पलटवार किया। ज्ञात हो कि सुकांत ने उत्तर बंगाल को अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा और सबसे ऊपर सिक्किम को जोड़ने का प्रस्ताव दिया है।

इसके बाद विष्णुप्रसाद शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा, 'सुकांत मजूमदार की टिप्पणी अवास्तविक है। सुकान्त लोकसभा चुनाव के नतीजों से निराश हैं। यह कभी संभव नहीं है। लोगों को गुमराह

करने की कोशिश की जा रही है।' यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि इस प्रस्ताव में विष्णु प्रसाद का पूर्ण समर्थन रहेगा।

कार्शियांग के बीजेपी विधायक ने कहा, 'बीजेपी विधायक के तौर पर मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा। उत्तर-पूर्व के साथ जुड़ने पर अलग राज्य की मांग कभी पूरी नहीं होगी।

बीजेपी विधायक ने दावा किया कि आर्टिकल 371ऋ में सिक्किम को नॉर्थ ईस्ट में शामिल किया गया था। लेकिन आधे राज्य कभी भी परिषद में नहीं जा सकते। यह बात विष्णुप्रसाद शर्मा ने कही। कार्शियांग के बीजेपी विधायक की खुली टिप्पणियों से गेरुआ खेमा असहज स्थिति में है। बुधवार को मोदी से मुलाकात के बाद सुकांत मजूमदार ने खुद यह प्रस्ताव रखते हुए यह बात कही। तब तृणमूल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के इस प्रस्ताव का विरोध किया था। लेकिन पार्टी के भीतर गुस्से को देखते हुए सवाल उठता है कि उत्तर बंगाल को पूर्वोत्तर से जोड़ने का प्रस्ताव कहां तक जाएगा।

कोल्ड स्टोरेज से आलू की आपूर्ति में 35 प्रतिशत की वृद्धि

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आलू व्यापारियों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त करने के एक दिन बाद, कोल्ड स्टोरेज से आलू की आपूर्ति में 30-35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।व्यापारियों की संस्था ने कहा कि वे कीमतों को स्थिर करने के प्रयास में आपूर्ति को समायोजित करते रहेंगे। प्रोग्रेसिव पोटैटो ट्रेडर्स एसोसिएशन के सचिव लालू मुखर्जी ने गुरुवार को बताया, पिछली रात से, 50 किलोग्राम के करीब आठ लाख पैकेट कोल्ड स्टोरेज से भेजे गए हैं, जबकि सामान्य दैनिक औसत छह लाख पैकेट है।

मुखर्जी ने राज्य सरकार को पर्याप्त आपूर्ति का आश्वासन दिया और

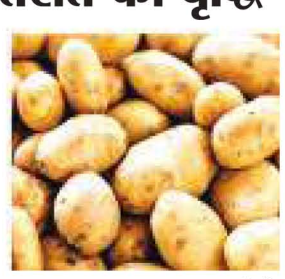

बताया कि फिलहाल व्यापारियों ने आलू को अन्य राज्यों में निर्यात नहीं करने का निर्णय लिया है क्योंकि सरकार ने पहले स्थानीय समस्याओं को हल करने का वादा किया है। व्यापारियों के फोरम और राज्य कार्य बल के सदस्य रवींद्रनाथ कोले ने कहा, हड़ताल समाप्त होने की खबर से कुछ कीमतों में कमी आई है, लेकिन जब बाजार में पर्याप्त मात्रा में आलू पहुंचेगा, तो थोक स्तर पर कीमतों में महत्वपूर्ण गिरावट देखी जाएगी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष ने विधायकों से जिम्मेदारी से व्यवहार करने की अपील की

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा परिसर में वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी और तृणमूल कांग्रेस के विधायक तपन चटर्जी के बीच हुई तीखी बहस के एक दिन बाद, गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने विधायकों से जिम्मेदारी से व्यवहार करने की अपील की।

अधिकारी ने आरोप लगाया कि तृणमूल विधायक ने उन्हें गाली दी और विधानसभा परिसर में उन पर हमला करने की कोशिश की।

स्पीकर को लिखे पत्र में, भाजपा नेता ने कहा कि वह विधानसभा में ₹असुरक्षित₹ महसूस कर रहे हैं और चटर्जी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

वहीं, तृणमूल विधायक ने दावा किया कि उन्होंने अधिकारी को धमकी नहीं दी या उन पर हमला नहीं किया, बल्कि केवल चुनावी सभा में उनके और उनकी बेटी के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण मांगा। चटर्जी ने आरोप लगाया कि इसके विपरीत अधिकारी ने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी जब उन्होंने विधानसभा लॉबी में उनके टिप्पणियों के लिए स्पष्टीकरण चाहा। घटना को

गंभीरता से लेते हुए, स्पीकर ने कहा कि विधानसभा परिसर में जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण, अप्रत्याशित और अनुचित है। हमें संयम से व्यवहार करना चाहिए। हमें विधानसभा के हिस्सेदारों के रूप में उपयुक्त आचरण करना चाहिए। स्पीकर ने अधिकारी के उस दावे का भी जिक्र किया कि वह और अन्य विपक्षी विधायक सदन में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। बनर्जी ने कहा कि सदन में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था है लेकिन जनप्रतिनिधियों को भड़काऊ तरीके से कार्य नहीं करना चाहिए। जब स्पीकर ने यह टिप्पणी की तब अधिकारी सदन में मौजूद नहीं थे, लेकिन चटर्जी वहां थे।

चुराई गई ब्लैक स्कॉर्पियो ओडिशा से बरामद

हावड़ा। हावड़ा जिले में गत 22 जुलाई एक अज्ञात बदमाश ने संकराइल, हावड़ा के जंगलपुर स्थित महिंद्रा अधिकृत सर्विस सेंटर में घुसकर बिना गेट पास के एक ब्लैक स्कॉर्पियो (हड़ 12इछ-1515) चुराकर फरार हो गया था। उसे बरामद कर लिया गया है। हावड़ा के पुलिस कमिश्नर प्रवीण त्रिपाठी ने गुरुवार को बताया कि घटना की जानकारी पुलिस को दो घंटे बाद दी गई, जिसके बाद संकराइल थाने में वाहन चोरी का एक मामला दर्ज किया गया। संकराइल थाना केस नंबर 527/2024 के तहत बीएनएस-2023 की धारा 303(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। तुरंत ही एक पुलिस टीम गठित की गई और वाहन का पीछा किया गया। सीसीटीवी फुटेज की जांच करते हुए ओडिशा के पड़ोसी राज्य में कई नाका पॉइंट स्थापित किए गए। लगातार पीछा करने के बाद, बदमाशों को मजबूर होकर ओडिशा के जलेश्वर में सड़क किनारे कार छोड़नी पड़ी। अंततः चोरी की गई स्कॉर्पियो 24 जुलाई की शाम को जलेश्वर, ओडिशा से बरामद कर ली गई।

सीएजी की रिपोर्ट में खुलासा, बिहार का राजकोषीय घाटा 2022-23 में 44,823 करोड़ के पार

राजकोषीय घाटा सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 5.97 प्रतिशत हुआ

एजेंसी

पटना। बिहार विधानमंडल में मॉनसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष की सीएजी रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट के अनुसार बिहार का राजकोषीय घाटा 2022-23 में बढ़कर 44,823.30 करोड़ पहुंच गया है, जो (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) जीएसडीपी का 5.97 प्रतिशत हो गया है। सीएजी ने 31 मार्च 2023 तक 87,947.8 करोड़ के 41,755 उपयोगिता प्रमाण नहीं मिलने की बात भी कही है। महालेखा परीक्षक ने रिपोर्ट में कहा है 31 मार्च 2023 तक 7,489.05 करोड़ के 27,392 एसी बिल डीसी बिल जमा करने के लिए लंबित है। इसमें से 6,450.17 करोड़ के 26,574 एसी बिल 2021-22 के अवधि से संबंधित है।

सीएजी रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2022 तक 55,840.32 करोड़ राजस्व संग्रहण होना था लेकिन केवल 38,838.88 करोड़ राजस्व का ही संग्रहण हुआ। लेखा परीक्षा में 1059 मामलों में कुल 25,001 करोड़ के राजस्व की हानि का पता लगा है। संबंधित विभागों ने 336 मामलों में 28.80 करोड़ के त्रुटियों को स्वीकार किया है। महालेखा परीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में अनियमितता की ओर इशारा किया है। सीएजी ने अक्टूबर 2020 से जून 2022 के दौरान निष्पादित 8 दस्तावेजों में भूमि के अल्प मूल्यांकन का पता लगाने में विफल रहने की बात कही है, जिसके फलस्वरुप 1.25 करोड़ के मुद्रांक शुल्क और निबंधित फीस की कम वसूली हुई। पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा पटना में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 2022 तक स्वीकृत 44 योजनाओं में से 29 योजनाओं पर ही काम हुआ। सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया है कि पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड दिशा निर्देशों का पालन नहीं करने के कारण बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को 97.54 करोड़ के अनुदान की हानि हुई है।

सीएजी ने परिवहन विभाग में लापरवाही के कारण राजस्व की कम वसूली होने की बात कही है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने जनवरी 2017 और मार्च 2022 के बीच 20,189 वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र का नवीनीकरण सुनिश्चित किया था। इसके फलस्वरूप 1.5 करोड़ की वसूली नहीं हुई। वाहन मालिकों द्वारा मोटर वाहन कर का भुगतान नहीं करने की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा 22.6 करोड़ का कर और अर्थ दंड की वसूली नहीं की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च 2022 तक बिक्री व्यापार आदि पर कर, माल और यात्रियों पर कर विद्युत पर कर एवं शुल्क वाहनों पर कर वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर एवं शुल्क भू राजस्व राज्य उत्पादन मुद्रांक शुल्क और निबंध फीस तथा खनन एवं उद्योगों पर राजस्व के बकाये 4022.59 करोड़ थे जिसमें से 1300.42 करोड़ 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित थे। नमूना जांच किए गए 28 शहरी स्थानीय निकायों में से 27 ने ई-कचरे के संग्रहण के लिए कोई व्यवस्था नहीं की थी और नमूना जांच किए गए 22 शहरी स्थानीय निकायों ने घरेलू जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के संग्रहण के लिए कोई अनुबंध नहीं किया था।

परिणामस्वरूप, आठ श.स्था.नि. में प्रयुक्त सिरिंज और सुइयों को ठोस अपशिष्ट के साथ मिश्रित पाए जाने के मामले देखे गए। नमूना-जांच किए गए किसी भी श.स्था.नि.में प्लास्टिक अपशिष्ट का पुनर्चक्रण/चैनलिंग नहीं किया जा रहा था।

सड़क हादसे में महिला समेत चार लोगों की मौत

एजेंसी

पूर्व मेदिनीपुर। पूर्व मेदिनीपुर जिले के मरिश्दा थाना अंतर्गत दीघा नंदकुमार राष्ट्रीय राजमार्ग पर खारिपुकुरया बस स्टॉप के पास गुरुवार तड़के हुए एक सड़क दुर्घटना में एक महिला सहित चार लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, गुरुवार तड़के दीघा से नदिया के ताहेरपुर जा रही एक गाड़ी की एक मोटरसाइकिल के साथ जबरदस्त टक्कर हो गई। इस घटना में गाड़ी में सवाल महिला पर्यटक की मौत हो गई। तीनों मोटरसाइकिल सवारों ने भी दम तोड़ दिया जबकि गाड़ी के चालक का हाथ टूट गया। इस दुर्घटना के कारण दीघा नंदकुमार राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लग गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मोटरसाइकिल पर सवार तीनों युवकों की शिनाख्त विश्वजीत मंडल, शुभंकर जाना और अतनु मंडल के तौर पर हुई है। वे कांथी थाने के घोरघटा गांव के निवासी थे। मृत महिला पर्यटक का नाम कोयल सिंह था। इस हादसे के बाद मारिशदा थाने की बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घायल को अस्पताल एवं शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद दोनों वाहनों को जब्त कर लिया।

विक्की कौशल की एक्स गर्लफ्रेंड कहे जाने पर बोलीं हरलीन

एक्ट्रेस हरलीन सेठी अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी डेटिंग लाइफ को भी लेकर सुर्खियों में रहती हैं। 2019 में ब्रेकअप से पहले एक्ट्रेस काफी समय तक विक्की कौशल के साथ रिलेशनशिप में थीं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान हरलीन ने विक्की कौशल की एक्स गर्लफ्रेंड कहे जाने पर रिएक्शन दिया है।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल का जिक्र करते हुए कहा- मेरे इंस्टाग्राम बायो में दो शब्द हैं, आई एम...आगे कुछ नहीं हैज आई एम का मतलब है कि मैं स्ट्रांग वूमन हूं। मैं बहुत ही मेहनती हूं। मैं खुद को एक्टर भी नहीं मानती। मैं किसी की बेटी हूं, मां हो सकती हूं।

लेकिन मुझे एक्स गर्लफ्रेंड की लेबल से दिक्कत है। लोग पता नहीं क्यों आपको लेबल देने की कोशिश करते हैं। मुझे सामान्य तौर पर किसी भी चीज के साथ अपनी पहचान बनाने में प्रॉब्लम होती है। मैं खुद को किसी के साथ जोड़ना पसंद नहीं करती हूं। हरलीन सेठी ने विक्की कौशल का साथ उनके संघर्ष के दिनों में दिया था। बताया जाता है कि हरलीन और विक्की के बीच मे कटरीना कैफ की वजह से दूरियां आई थी। लेकिन ये सच नहीं है। विक्की अपने करियर में आगे बढ़ रहे थे। हर पीछे रह गई। हरलीन का कहना था कि 'उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक' की सक बाद विक्की का बर्ताव काफी बदल गय वो उनसे दूर हो गए और उसके बाद उ पास कभी लौटकर वापस नहीं आए। हरलीन सेठी की वर्क फ्रंट की बात क हाल ही में डिज्नी + हॉटस्टार की वेब सीरीज बैड कॉप में नजर आई हैं। इस पहले वो 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल'और 'कोहरा' जैसी सीरीज में काम कर चुकी हैं। वहीं, विक्की कौशल की फिल्म 'बैड न्यूज' पिछले दिनों थिएटर में रिलीज हुई है।

आलिया भट्ट की पांच जबर्दस्त फिल्में, जो होंगी सस्पेंस-रोमांस थ्रिलर से भरपूर

आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। प्रशंसक उनकी हर एक फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार करते हैं। आलिया के पास कई मेगा प्रोजेक्ट की फिल्में हैं, जिनमें कुछ इस साल तो कुछ अगले साल रिलीज होंगी। आलिया की आगामी फिल्मों में आपको एक्शन, ड्रामा, सस्पेंस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। देर किस बात की आपको भी बताते हैं आलिया की पांच आने वाली बेहतरीन फिल्मों के बारे में।

वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ एक जासूस के किरदार में नजर आएंगी। यह एक महिला प्रधान फिल्म होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में बॉबी देओल विलेन के रोल में नजर आ सकते हैं। एक जासूस के किरदार में आलिया को एक्शन करते देखना काफी दिलचस्प होगा। हालांकि, आलिया फिल्म राजी में एक जासूस का किरदार निभाया चुकी हैं। आलिया भट्ट की इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब फैंस सिर्फ और सिर्फ फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहें हैं।

हाल ही में जिगरा के सेट से आलिया का एक शानदार लुक सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसे देखने के बाद इस फिल्म को लेकर प्रशंसकों की उत्सुकता और अधिक बढ़ गई है। बता दें आलिया की फिल्म जिगरा इस साल 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को वासन बाला ने निर्देशित किया है और इसे धर्मा प्रोडक्शन के तहत निर्मित किया गया है। इस फिल्म में आलिया के अलावा आदित्य नंदा और वेदांग रैना नजर आएंगे। संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म बैजू बावरा में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में आलिया के साथ रणवीर सिंह नजर आएंगे। बैजू बावरा एक रोमांटिक बॉलीवुड ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन संजय लीला भंसाली द्वारा किया जा रहा है। बैजू बावरा एक कलाकार की बदले की कहानी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंशाल्लाह एक आगामी बॉलीवुड एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में सलमान खान मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। सलमान खान के अपोजिट फिल्म में आलिया भट्ट नजर आएंगी, तो वहीं संजय दत्त भी इस फिल्म में अहम किरदार में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म में पहली बार आलिया और सलमान की जोड़ी साथ नजर आएगी।

गोलीबारी मामले में बोले सलमान खान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर दो लोगों ने फायरिंग कर सनसनी मचा दी थी। 14 अप्रैल की इस घटना पर अब अभिनेता का बयान सामने आ गया है। सलमान ने पुलिस को बताया है कि उनका मानना है कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने उनके घर पर गोलीबारी की थी। इसके पीछे का उद्देश्य उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को मारना था।

सलमान का बयान आया सामने

अभिनेता का बयान इस घटना के संबंध में मुंबई पुलिस की ओर से अदालत में दायर आरोपपत्र का हिस्सा है। सलमान ने पुलिस को बताया कि 14 अप्रैल की सुबह जब वह गैलेक्सी अपार्टमेंट स्थित अपने घर में सो रहे थे तो उन्हें पटाखे जैसी आवाज सुनाई दी। उन्होंने बताया कि उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिस ने सुबह करीब 4.55 बजे उन्हें बताया कि मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने पहली मंजिल की बालकनी पर गोलीबारी की है। सलमान ने अपने बयान में कहा कि पहले भी उन्हें और उनके परिवार को चोट पहुंचाने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि उनके अंगरक्षक ने बांद्रा पुलिस स्टेशन में गोलीबारी के संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। अभिनेता ने बताया कि जनवरी 2024 में दो अज्ञात व्यक्तियों ने फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर पनवेल के निकट उनके फार्महाउस में जबरन घुसने की कोशिश की थी।

किल को अपनी शानदार सफलता मानते हैं राघव जुयाल

अभिनेता और डांसर राघव जुयाल टीवी जगत का नामी चेहरा हैं। टीवी के अलावा राघव कई फिल्मों में भी अपना अभिनय प्रदर्शन दिखा चुके हैं। इन दिनों वह अपनी हालिया रिलीज फिल्म किल को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म में उनका किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया है। वह इन दिनों इसका आनंद उठा रहे हैं।

राघव ने हाल ही में कहा, मैं इस समय का भरपूर आनंद ले रहा हूं। ऐसा लग रहा है कि मैं अभी अपने करियर में बदलाव देख रहा हूं। राघव जुयाल ने किल को कहा, पूरी इंडस्ट्री ने मुझे इसकी सराहना करने के लिए बुलाया है। उन्होंने कहा, अच्छा लग रहा है कि हमारी मेहनत का फल मिल रहा है।

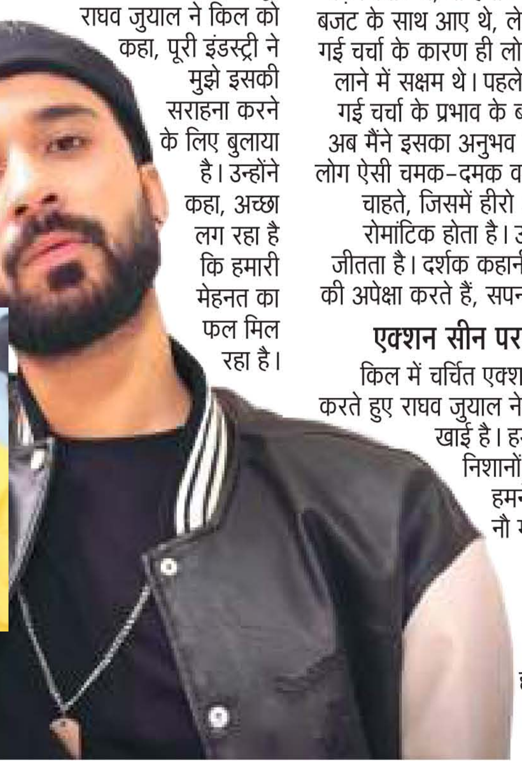

विदेशों से भी निर्माता और निर्देशक मुझे बुला रहे हैं। इस फिल्म से पहले वह सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आए थे। अभिनेता ने हाल ही में किल को लेकर कहा, इस फिल्म ने मेरे लिए दरवाजे खोले। मुझे लगता है कि यह मेरी सफलता है। फिल्म रिलीज होने के बाद से यह एक शानदार सफर रहा है।

वास्तविक ड्रामा की अपेक्षा करते हैं दर्शक

अभिनेता ने आगे कहा, कल्कि जैसी 600-700 करोड़ रुपये के बजट वाली फिल्म, जिसमें इतने बड़े सितारे थे, वो हमारे साथ थे। हम एक छोटे बजट के साथ आए थे, लेकिन केवल मुंह से की गई चर्चा के कारण ही लोगों को सिनेमाघरों तक लाने में सक्षम थे। पहले मैंने केवल मुंह से की गई चर्चा के प्रभाव के बारे में सुना था, लेकिन अब मैंने इसका अनुभव किया है। उन्होंने कहा, लोग ऐसी चमक-दमक वाली फिल्में नहीं देखना चाहते, जिसमें हीरो अपनी प्रेमिका के साथ रोमांटिक होता है। उसे बचाता है और दिल जीतता है। दर्शक कहानी और वास्तविक ड्रामा की अपेक्षा करते हैं, सपनों की दुनिया की नहीं।

एक्शन सीन पर बोले राघव जुयाल

किल में चर्चित एक्शन सीन के बारे में बात करते हुए राघव जुयाल ने कहा, हमने बहुत चोट खाई है। हमें नहाते समय चोट के निशानों का एहसास होता था। हमने एक्शन सीन के लिए नौ महीने की ट्रेनिंग ली है, यह एक अद्भुत और मजेदार अनुभव था। एक्शन भी एक मुक्का मारने वाला नहीं था। हमने सुपर वीएफएक्स के साथ रॉ एक्शन किया था।

पति पत्नी और वो के सीक्वल में नजर आएंगे कार्तिक

चंदू चैंपियन के बाद कार्तिक आर्यन एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। दरअसल, अभिनेता अब एक बार फिल्म कॉमेडी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीतने की तैयारी में हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वह जल्द ही अपनी ही एक कॉमेडी फिल्म के सीक्वल में नजर आने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो कार्तिक ने साल 2019 की हिट फिल्म पति पत्नी और वो के सीक्वल के लिए हामी भर दी है। अभिनेता की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। दर्शकों को यह फिल्म काफी ज्यादा पसंद आई थी। मीडिया रिपोर्ट में प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि सीक्वल की स्क्रिप्ट पहले ही फाइनल हो चुकी है। इसमें यह भी कहा गया है कि कार्तिक एक छोटे शहर के साधारण व्यक्ति की भूमिका निभाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

अली फजल के हाथ लगा राज एंड डीके का बड़ा प्रोजेक्ट

अभिनेता अली फजल की हिट वेब सीरीज मिर्जापुर का तीसरा सीजन रिलीज के बाद से ही काफी चर्चा में है। इस सीरीज में अली फजल ने गुड्डू पंडित का किरदार निभाया हैं। उनके इस रोल को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। वही, निजी जिंदगी को लेकर भी अली खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। हाल ही में, अभिनेता एक बेटी के पिता बने हैं। अब अली ने सामंथा के साथ एक नए प्रोजेक्ट को लेकर हाथ मिलाया है। मिर्जापुर सीजन 3 की सफलता के बाद अली फजल राज और डीके द्वारा निर्देशित आगामी पीरियड फैंटेसी थ्रिलर रक्त ब्रह्मांड का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। शो के लिए पूरी कास्ट फाइनल हो चुकी है। अगले हफ्ते से मुंबई में सीरीज की शूटिंग शुरू होगी। इस सीरीज में आदित्य रॉय कपूर और वामीका गब्बी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। सीरीज को लेकर आई खबर के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट राज और डीके का बड़ प्रोजेक्ट होने वाला है। यह फैंटेसी ड्रामा की अपनी शैली को आगे बढ़ाएगी। खबर है कि अली फजल अगस्त के महीने से इस सीरीज की शूटिंग शुरू करेंगे। इसके अलावा वह अपने बाकी प्रोजेक्ट्स के बचे शेड्यूल की शूटिंग भी पूरी करेंगे।

22 साल से स्ट्रगल कर रही हूं, कहा- याद नहीं आखिरी हिंदी फिल्म कब ऑफर हुई थी

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया का कहना है कि वो फिल्म इंडस्ट्री में 22 साल से हैं लेकिन अभी तक उनका स्ट्रगल खत्म नहीं हुआ है। नेहा ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें याद नहीं आखिरी बार उन्हें कब कोई हिंदी फिल्म ऑफर हुई थी। नेहा ने ये भी माना कि वो उन एक्ट्रेसेस में नहीं गिनी जाती हैं जिनके होने से किसी फिल्म का बॉक्स-ऑफिस गणित बदल जाए या फिल्म खूब कमाई कर जाए। इंटरव्यू में नेहा बोलीं, मैं 22 साल से अच्छी फिल्म में काम करने के लिए स्ट्रगल कर रही हूं। लोग मेरी फिल्में देखकर तारीफ करते हैं लेकिन काम नहीं देते। लोग मुझसे आकर कहते हैं कि तुमने उस फिल्म में अच्छा काम किया था, हमें उस फिल्म में तुम्हारी एक्टिंग पसंद आई। ये सुनकर मेरे मन में ख्याल आता है कि फिर ये मुझे काम क्यों नहीं देते।

याद नहीं कब हिंदी फिल्म का ऑफर मिला

नेहा ने बॉलीवुड फिल्मों में काम मिलने के बारे में कहा, मुझे याद नहीं कि आखिरी बार किसी हिंदी फिल्म में काम का ऑफर कब मिला था। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री काफी मुश्किल वक्त से गुजर रही है। अगर मुझे काम के लिए सबके दरवाजे खटखटाने पड़ें तो इसमें कुछ गलत नहीं है क्योंकि ऐसा करके आप कुछ गलत नहीं कर रहे हैं। जो लोग काम देते हैं दरअसल वो भी स्ट्रगल कर रहे हैं।

नेहा ने बताया कि हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बैड न्यूज के लिए उन्हें कोरोना लॉकडाउन के दौरान ऑफर मिला था। नेहा बोलीं, मैं खुश थी कि मेरा फोन बजा क्योंकि किसी फिल्म के ऑफर के लिए ज्यादातर मेरा फोन रिंग नहीं करता है। हां, हाल ही में मैं मुझे साउथ से दो फिल्मों के ऑफर मिले हैं जिसके लिए उन्होंने मुझसे तीन महीने मांगे हैं।

43 साल की नेहा के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने 2003 में आई फिल्म कयामत से डेब्यू किया था। इसके बाद वो एक चालीस की लास्ट लोकल, सिंह इज किंग, कयामत, जूली, शीशा और फंस गए रे ओबामा जैसी फिल्मों में दिखाई दी हैं। पिछले कुछ समय में नेहा को फिल्मों में देखा गया है लेकिन उन्हें छोटे-मोटे रोल ही ऑफर होते हैं। फिल्मों में आने से पहले वो मॉडलिंग कर चुकी हैं। 2002 में उन्होंने मिस यूनिवर्स पेजेंट के लिए इंडिया को रिप्रजेंट किया था लेकिन टाइटल नहीं जीत सकी थीं।

विक्की कौशल ने दिया संकेत - कैटरीना के साथ कर रहे हैं फिल्म

अभिनेता विक्की कौशल इन दिनों बैड न्यूज को लेकर चर्चा में बने हुए हैं और वे लगातार फिल्म का प्रचार कर रहे हैं। कैटरीना से शादी के बाद से ही फैंस विक्की को पत्नी के साथ फिल्म में एक साथ काम करते हुए देखना चाहते हैं। अक्सर उनसे कैटरीना के साथ फिल्म करने के बारे में सवाल किए जाते हैं, इस बार भी ऐसा ही हुआ हाल ही में मीडिया से बातचीत में विक्की से यही पूछा गया तो उन्होंने कहा- मुझे उम्मीद है कि मैं और कटरीना जल्द ही किसी फिल्म में नजर आएंगे। हम भी ऐसी ही किसी कहानी की तलाश में हैं, लेकिन हम ऐसी फिल्म नहीं करना चाहते, जो सिर्फ हमें साथ लेकर बनाई जाए। हमारी जोड़ी कहानी की मांग के मुताबिक होनी चाहिए, तभी मजा आएगा। हम इंतजार कर रहे हैं और इसके लिए हमें कोई जल्दी नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

श्रीदेव सुमन की जीवन गाथा हमेशा मातृभूमि की सेवा लिए प्रेरित करती रहेगी: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टिहरी के जननायक अमर शहीद श्रीदेव सुमन को नमन करते हुए कहा कि उनका समर्पण और संघर्ष से परिपूर्ण जीवन गाथा सदैव हमें मातृभूमि की सेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रीदेव सुमन की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीदेव सुमन ने अपने समय की कठिन परिस्थितियों में लोकशाही के लिए संघर्ष किया और अपने जीवन का बलिदान दिया। उनका संघर्ष समाज के लिए हमेशा प्रेरणा के रूप में याद किया जाएगा।

एक घंटे में दो बार महसूस हुए भूकंप के झटके

फरीदाबाद। फरीदाबाद में गुरुवार को भूकंप आया। यहां एक घंटे के अंदर 2 बार भूकंप के झटके महसूस हुए, जिसके बाद लोगों घरों से बाहर आए गए। नेशनल सिस्मोलॉजी सेंटर (एनसीएस) के अनुसार इसका केंद्र फरीदाबाद में ही जमीन के अंदर 5 किलोमीटर गहराई में रहा। पहली बार भूंकप सुबह 10:54 बजे और दूसरी बार 11:43 बजे आया। रिक्टर स्केल पर दोनों बार भूकंप की तीव्रता 2.4 रही। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड के देहरादून से लेकर हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले तक जमीन के नीचे एक फॉल्ट लाइन है। जिसमें अनगिनत दरारें होने की वजह से इसमें गतिविधियां चल रही हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा, यह समय नई पीढ़ी को मशाल सौंपने का

वाशिंगटन। अमेरिका में साल के आखिरी महीनों में होने वाले राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव की दौड़ से हट चुके राष्ट्रपति जो बाइडेन राष्ट्र के नाम संबोधन भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि अमेरिका का विचार 'आपके हाथों में है'। अपने अभियान को समाप्त करते हुए ओवल कार्यालय के संबोधन में बाइडेन ने कहा कि समय आ गया है, 'मशाल को नई पीढ़ी को सौंप दिया जाए।' बाइडेन ने 'विदाई बेला' जैसे अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की प्रशंसा की। उन्होंने ओवल ऑफिस के बुधवार के संबोधन में अमेरिकी जनता से कहा, "मैंने अपना दोबारा चुनाव लड़ने का विचार त्याग दिया है।

अंजनी महादेव में बादल फटा, भारी नुकसान

कुल्लू। कुल्लू जिला के मनाली के समीप बादल फटने से भारी तबाही हुई है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए नदी नालों की तरफ लोगों को न जाने की सलाह दी है। घटना वीरवार सुबह सवेरे की है जब मनाली-लेह सड़क मार्ग पर स्थित पलचान के साथ लगते अंजनी महादेव नाला में बादल फट गया। बादल फटने से अचानक नाले में जल स्तर बढ़ गया और हर तरफ तबाही मचाने हुए बाढ़ का पानी सड़क मार्ग को क्षतिग्रस्त करते हुए पलचान पुल के ऊपर से बहने लगा। यही नहीं बड़े बड़े पत्थर और मलबा पुल पर जमा हो गया।

खाई में गिरने से युवक की मौत

देहरादून। थाना क्षेत्र राजपुर अंतर्गत मालसी डियर पार्क की पुलिया से एक व्यक्ति का पैर फिसलकर नीचे खाई में गिर गया। एसडीआरएफ की टीम ने व्यक्ति को बाहर निकालकर 108 के माध्यम से जिला चिकित्सालय कोरोनेशन भेजा, जहां डॉक्टरों ने व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। पीयूष अधिकारी पुत्र भगवत सिंह निवासी ग्राम दुगार्पुरी पोस्ट नींबूचौड़ कोटद्वार जनपद पौड़ी गढ़वाल तथा आशीष गुंसाई पुत्र धनसिंह गुंसाई निवासी काशीरामपुर तल्ला कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल नशे की हालत में मालसी पुल पर बैठे थे। इस दौरान आशीष गुंसाई फोन पर बात करते वक्त पैर फिसलने से मालसी पुल से नीचे गिर गया।

मायके से लौटी विवाहिता को ससुरालियों ने पिलाई स्प्रे, केस दर्ज

फतेहाबाद। जिले के शहर रतिया में पति से मनमुटाव के बाद दोबारा मायके से ससुराल आई महिला ने अपने ससुरालियों पर उससे मारपीट करने और जबरदस्ती स्प्रे पिलाने का आरोप लगाया है। महिला को उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। इस बारे गुरुवार को रतिया पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में अजीतनगर गंदा निवासी सुमन उर्फ सुनीता ने कहा है कि उसकी शादी सितम्बर 2023 में बिन्द्र पाल उर्फ बिंदी निवासी अजीत नगर के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही उसका अपने पति के साथ मनमुटाव हो गया और वह मायके चली गई। वहां जाकर उसने घर बसाने को लेकर कोर्ट में केस दर्ज कर दिया। जब उसके पति बिंदी को केस बारे पता चला तो वह उसे वापस ले आया। महिला ने कहा कि 23 जुलाई को जब वह अपनी ससुराल पहुंची तो उसकी सास, ससुर और ननद ने उसे दहेज ना लाने को लेकर ताने मारने शुरू कर दिए और उसके साथ मारपीट करने लगा। इतने में उसका पति बिंदी व जेठ बिट्टू भी वहां आ गए, जिनके हाथ में स्प्रे की बोतल थी।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने किया भारत के 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन

'एक्ट ईस्ट' नीति को बढ़ावा देगा आईआईएमसी आइजोल का सामुदायिक रेडियो : अश्विनी वैष्णव

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्ट ईस्ट' की नीति अपनाई है
- अपना रेडियो 90.0 एफएम मील का पत्थर साबित होगा

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय जन संचार (आईआईएमसी) के आइजोल परिसर में स्थित भारत के 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'अपना रेडियो 90.0 एफएम' का उद्घाटन गुरुवार को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू, अपर सचिव नीरजा शेखर एवं भारतीय जन संचार संस्थान की कुलपति डॉ. अनुपमा भटनागर भी उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत का 500वां सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'अपना रेडियो 90.0 एफएम' आइजोल के लोगों के जीवन में बदलाव लाने और छात्रों, स्थानीय समुदाय और किसानों के जीवन को बेहतर बनाने में मुख्य भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्ट ईस्ट' की नीति अपनाई है और इस दिशा में 'अपना रेडियो 90.0 एफएम' मील का पत्थर साबित होगा। केंद्रीय मंत्री वैष्णव के अनुसार रेलवे की पहुंच और वैचारिक नीतियों को लागू कर उत्तर पूर्व क्षेत्र को अधिक समृद्ध बनाना हमारा लक्ष्य है और हम सभी को मिलकर इसके लिये सबसे बेहतर ईको सिस्टम बनाना होगा।

शुभारंभ समारोह के दौरान केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री द्वारा 10वें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कारों की भी घोषणा की गई। वर्ष 2014 में जहां पूरे देश में सामुदायिक रेडियो स्टेशनों की संख्या 140 थी, वहीं पिछले दस वर्षों में यह संख्या बढ़कर अब 500 तक पहुंच गई है। इस अवसर पर उपस्थित मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा कि हम आइजोल में शुरू हो रहे 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन को लेकर उत्साहित हैं।

यह एक महत्वपूर्ण संख्या है। सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थानीय संस्कृति और स्थानीय लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि यह सामुदायिक रेडियो स्टेशन किसानों को सरकारी योजनाओं तथा कृषि से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करने में सहायक होगा।

इससे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने और हमारे समुदाय को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने आईआईएमसी को बधाई देते हुए कहा कि यह एक सुखद अवसर है कि हम आइजोल में 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन की शुरूआत कर रहे हैं। सामुदायिक रेडियो पिछड़े क्षेत्रों के लोगों से संवाद करने में और प्राकृतिक आपदाओं से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

निकाय चुनाव के लिए सभी तैयारी पूरी : राहुल

देहरादून। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राहुल कुमार गोयल ने गुरुवार को बताया कि आयोग ने उत्तराखंड में होने वाले आगामी निकाय चुनाव के लिए सभी तैयारी पूर्ण कर ली है। शासन से आरक्षण की स्थिति प्राप्त होते ही राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से राज्य के 93 नगर निकायों के लिए मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जा चुका है। इसके अलावा राज्य की शेष छह नगर निकायों जिसमें नरेंद्र नगर, रुद्रप्रयाग, हर्बटपूर, कीर्तिनगर, रूड़की और बाजपूर के विस्तृत पुनरीक्षण का शेड्यूल जारी कर दिया है। नौ अगस्त तक इन सभी छह निकायों की भी मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोग की ओर से राज्य के कुल 99 स्थानीय नगर निकायों में चुनाव की तैयारी गतिमान है। आयोग की ओर से संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदेय स्थलों की चिह्निकरण की कार्रवाई की जा रही है, साथ ही शासन स्तर पर आरक्षण की प्रक्रिया गतिमान है।

विमान हादसे में बरामद शव दो दिन बाद परिजनों को सौंपे जाएंगे

काठमांडू। काठमांडू के त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रीय विमानस्थल पर बुधवार को हुए विमान हादसे में बरामद सभी 18 शवों का पोस्टमार्टम शुरू किया गया है। काफी खराब हालत में शवों के होने से पोस्टमार्टम में काफी समय लग रहा है। इसलिए परिजनों को शव सौंपने में अभी दो दिन का समय और लगने की संभावना है। काठमांडू के महाराजगंज स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के फॉरेंसिक विभाग में विमान हादसे के सभी 18 शवों को रखा गया है। विभाग के प्रमुख डॉ. गोपाल चौधरी ने बताया कि आज सुबह से ही पोस्टमार्टम शुरू करने के लिए 25 डॉक्टरों की टीम लगाई गई है। डॉ. चौधरी ने बताया कि एक शव का पोस्टमार्टम करने में कम से कम चार घंटे का समय लगने वाला है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के दौरान दांत या चेहरे पर मृत्यु पूर्व के किसी निशान को ढूंढा जाएगा। यदि इस तरह का कोई निशान मिलता है तो उसके आधार पर शवों की पहचान करने की कोशिश की जाएगी।

हाथरस में सत्संग भगदड़ जैसी घटना दोबारा न हो : प्रशांत कुमार

लखनऊ। एजेंसी

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने भीड़ प्रबंधन और भगदड़ से बचाव के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) जारी की है। एसओपी के तहत अब यूपी में जिला, रेंज और जोन स्तर पर अलग-अलग इंटिग्रेटेड सिस्टम (एकीकृत प्रणाली) बनेगी। डीएम, सीएमओ, सिविल डिफेंस, फायर बिग्रेड और स्थानीय पुलिस के स्तर पर नियमित रूप से इंटिग्रेटेड सिस्टम को अपडेट किया जाएगा। हाथरस में सत्संग भगदड़ जैसी घटना दोबारा न हो, इसका प्रयास किया जाएगा।

डीजीपी ने कहा कि कार्यक्रमों की परमिशन देने वाले अधिकारी और स्थानीय पुलिस पहले से चेक करें कि कार्यक्रम स्थल पर कोई खतरा नहीं है। वहां लोगों का आवागमन सुरक्षित है। संभावित खतरों (आग, बिजली, सड़क दुर्घटना और श्वास अवरोधक) के आकलन के आधार पर आपातकालीन योजना तैयार की जाए। सभी विभागों से समन्वय बनाया जाए। कार्यक्रम की पूरी जानकारी और वहां आने वालों की अनुमानित संख्या की जानकारी जुटाई जाए।

प्रशांत कुमार ने कहा कि सुरक्षा और ट्रैफिक के लिए जरूरी पुलिस, पीएसी, केंद्रीय बल, अधिकारियों और संसाधनों का मांग पत्र तैयार किया जाए। मजबूत बैरिकेडिंग की जाए।कार्यक्रम स्थलों पर सीसीटीवी के जरिए मॉनिटरिंग की जाए और ऑपरेशनल कंट्रोल रूम बनाए जाएं। कार्यक्रम के प्रबंधन के लिए राजपत्रित अधिकारी (स्थानीय मैजिस्ट्रेट) को प्रभारी नियुक्ति किया जाए। ड्यूटी पर लगाए जाने वाले फोर्स की समुचित ब्रीफिंग की जाए। उन्होंने कहा कि पब्लिक एड्रेस सिस्टम के साथ अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जाए। कार्यक्रम स्थल पर लाइट, पीने का पानी और ऐंबुलेंस का इंतजाम किया जाए। क्राउड कंट्रोल प्लान के तहत आवागमन और पार्किंग का इंतजाम किया जाए। अतिथियों की श्रेणी तय कर उसी हिसाब से उनके आवागमन के मार्ग अलग-अलग रखे जाएं।

अब पठानकोट रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन का होगा स्थायी ठहराव

- ठहराव से हिमाचल प्रदेश की चम्बा, कांगड़ा घाटी में पर्यटन को पंख लगेंगे

धर्मशाला। एजेंसी

केन्द्रीय रेलवे राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने कहा कि नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर स्थाई रूप से कर दिया है। सांसद इन्दु बाला गोस्वामी द्वारा बीते समय में संसद में उठाए गए मुद्दे के बाद यह कदम उठाया गया है। गौरतलब है कि इससे पूर्व वंदे भारत रेलगाड़ी का पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर अस्थाई ठहराव किया गया था ताकि हिमाचल प्रदेश विशेषकर चम्बा, कांगड़ा जाने वाले स्थानीय लोगों और पर्यटकों को सुविधा प्रदान की जा सके तथा इस स्टेशन पर इस ट्रेन के यात्रियों के आवागमन का सर्वे किया जा सके। इस स्टेशन पर पर्याप्त संख्या में चढ़ने और उतरने वाले यात्रियों की संख्या को देखते हुए अब इस ठहराव को स्थाई कर दिया गया है। उधर राज्य सभा सांसद इन्दु बाला गोस्वामी ने केंद्र सरकार का आभार जताते हुए कहा कि इस स्टेशन से बड़ी संख्या में हिमाचली और पर्यटक वैष्णो देवी की यात्रा करते हैं और वैष्णो देवी यात्रा के बाद श्रद्धालु हिमाचल में देवी दर्शन के लिए पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर उतरते हैं। उन्होंने बताया कि इस ठहराव से हिमाचल प्रदेश की चम्बा, कांगड़ा घाटी में पर्यटन को पंख लगेंगे।

उन्होंने कहा कि अभी तक राज्य के रेलवे स्टेशनों पर कोच डिस्प्ले बोर्ड आदि अनेक सुविधाओं को विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि कोच डिस्प्ले बोर्ड न होने की बजह से यात्रियों खास कर महिलाओं और सीनियर सिटीजन को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को मणिपुर जम्मू-कश्मीर न जाने की सलाह दी

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका ने भारत की यात्रा पर जाने वाले अपने नागरिकों को मणिपुर और जम्मू-कश्मीर के साथ भारत-पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों और देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी न जाने की सलाह दी गई है। भारत के लिए संशोधित यात्रा परामर्श में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि अपराध,आतंकवाद और नक्सलवाद के कारण भारत में अधिक सावधानी बरती जानी चाहिए।

कुछ क्षेत्रों में जोखिम बढ़ गया है। कुल मिलाकर भारत को लेवल दो पर रखा गया है। लेकिन देश के कई हिस्सों को लेवल चार पर रखा गया है जैसे जम्मू और कश्मीर, भारत-पाकिस्तान सीमा, मणिपुर और मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्से। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि आतंकवाद और नागरिक अशांति के कारण केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर (पूर्वी लद्दाख क्षेत्र और इसकी राजधानी लेह को छोड़कर), सशस्त्र संघर्ष की आशंका के कारण भारत-पाकिस्तान सीमा के 10 किलोमीटर के भीतर, नक्सलवाद, उग्रवाद के कारण मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों तथा हिंसा और अपराध के कारण मणिपुर की यात्रा ना करें। परामर्श में नागरिकों को आतंकवाद और हिंसा के कारण पूर्वोत्तर राज्यों की यात्रा पर पुनर्विचार करने की सिफारिश की गई है। यात्रा परामर्श में कहा गया है कि भारतीय अधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार बलात्कार भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यौन उत्पीड़न जैसे हिंसक अपराध पर्यटक स्थलों और अन्य स्थानों पर हुए हैं। आतंकवादी कभी भी हमला कर सकते हैं। वे पर्यटक स्थलों, परिवहन केंद्रों, बाजारों, शॉपिंग मॉल और सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हैं।

चारधाम डैशबोर्ड पर सभी विभाग नियमित रूप से रियल टाइम डाटा अपडेट करें: राधा

देहरादून। एजेंसी

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने चारधाम यात्रा से संबंधित सभी विभागों को जल्द आरम्भ होने वाले चारधाम डैशबोर्ड पर नियमित रूप से रियल टाइम डाटा अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह डैशबोर्ड चारधाम से जुड़े सभी विभागों के मध्य सूचनाओं के प्रभावी आदान-प्रदान व डाटा शेयरिंग का माध्यम बनेगा। इससे विभागों में प्रभावी समन्वय स्थापित होगा और उनके अलगाव में कार्य करने की प्रवृति खत्म होगी।

सभी विभागों में एक-एक नोडल अधिकारी तैनात करने के निर्देश दिए। गुरुवार को सचिवालय में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने आईटीडीए की ओर से तैयार किए जा रहे चारधाम डैशबोर्ड की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को हिदायत देते हुए कहा कि चारधाम डैशबोर्ड पर अपडेट किया जाने वाला डाटा डायनेमिक (गतिशील) व रियल टाइम होना चाहिए। इसे नियमित रूप से फीड किया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने चारधाम डैशबोर्ड में अन्य भीड़-भाड़ वाले पर्यटक स्थलों जैसे मसूरी को भी जोड़ने के निर्देश दिए हैं, ताकि इन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों को भी सभी जानकारियां व रियल टाइम डाटा उपलब्ध हो सके। यह डैशबोर्ड आरम्भ में सरकारी विभागों के प्रशासनिक समन्वय व कार्यों के लिए उपयोग किया जाएगा और बाद में आमजन के लिए खोल दिया जाएगा।

ऊना के सैनिक का श्रीनगर में बलिदान, सीएम ने जताया शोक

ऊना। श्रीनगर के समीप आतंकवादियों के साथ बुधवार तड़के हुई मुठभेड़ में ऊना जिले के बंगाणा उपमंडल के सेना के जवान नायक (गनर) दिलावर खान बलिदान हो गए। बंगाणा के घरवासड़ा के रहने वाले 28 वर्षीय दिलावर की पार्थिव देह गुरुवार वीरवार को दोपहर बाद करीब 2 बजे उनके पैतृक गांव लाई जाएगी। सैनिक कल्याण विभाग के उपनिदेशक एस. कालिया ने बताया कि गुरुवार को शहीद दिलावर खान के पैतृक गांव घरवासड़ा में पूरे राजकीय सम्मान के साथ मुस्लिम विधि से उनकी अंत्येष्टि की जाएगी। बता दें, मार्च, 1996 को जन्मे दिलावर 20 दिसंबर 2014 को सेना में भर्ती हुए थे। सीएम ने जताया शोक वीर सैनिक दिलावर खान की शहादत पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री समेत सारी कैबिनेट, कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा, ऊना के उपायुक्त जतिन लाल समेत ऊना जिले के सभी अधिकारियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

पर्यावरण | गुजरात सरकार ने वर्ष 2014-15 से 2022-23 के दौरान मैंग्रोव रोपण का व्यापक अभियान चलाया

गुजरात में मैंग्रोव कवर 1175 वर्ग किमी तक फैला

- 134 वर्ग किमी का मैंग्रोव कवर है
- 12,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में मैंग्रोव रोपण करने की योजना है

गांधीनगर। एजेंसी

गुजरात ने पिछले तीन दशकों में मैंग्रोव वन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है, जो पर्यावरण संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण है। आज गुजरात मैंग्रोव पेड़ों के संरक्षण के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। देश में मैंग्रोव कवर क्षेत्र के मामले में गुजरात, पश्चिम बंगाल के बाद दूसरे स्थान पर आता है। गुजरात का मैंग्रोव कवर यानी मैंग्रोव पेड़ों का क्षेत्र 1991 में 397 वर्ग किलोमीटर से बढ़ कर 2021 में 1175 वर्ग किलोमीटर तक बढ़ गया है। गुजरात में मैंग्रोव कवर के विस्तरण के बारे में बताते हुए वन एवं पर्यावरण मंत्री मुलुभाई बेरा ने कहा कि, ह्लगुजरात सरकार ने राज्य में मैंग्रोव पेड़ों का रोपण बढ़ाने के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं और इसके परिणामस्वरूप आज गुजरात में मैंग्रोव आवरण 1175 वर्ग किलोमीटर तक फैल गया है। गुजरात मैंग्रोव कवर की दृष्टि से राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। गुजरात का मैंग्रोव कवर रणनीतिक रूप से राज्य के चार मुख्य क्षेत्रों में बंटा हुआ है। राज्य का कच्छ जिला 799 वर्ग किमी मैंग्रोव कवर के साथ सबसे आगे है, जो राज्य के मैंग्रोव कवर का एक बड़ा हिस्सा है।

जबकि मरीन नेशनल पार्क और अभ्यारण्य सहित कच्छ की खाड़ी, जामनगर, राजकोट (मोरबी), पोरबंदर और देवभूमि द्वारका जैसे क्षेत्रों का कुल मैंग्रोव कवर 236 वर्ग किमी है। खंभात की खाड़ी के अलावा डुमस-उभराट जैसे क्षेत्रों सहित मध्य एवं दक्षिण गुजरात क्षेत्र में, जिसमें भावनगर, अहमदाबाद, आणंद, भरूच, सूरत, नवसारी और वलसाड़ जैसे जिले शामिल हैं, 134 वर्ग किमी का मैंग्रोव कवर है। इसके अलावा, अमरेली, जूनागढ़ और गिर-सोमनाथ जैसे जिलों वाले राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में भी 6 वर्ग किमी का साधारण मैंग्रोव कवर है।

गुजरात सरकार ने मैंग्रोव पेड़ों के महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 से 2022-23 के दौरान मैंग्रोव पेड़ों के रोपण का व्यापक अभियान चलाया था। गुजरात के वार्षिक रोपण के प्रयास के चलते वर्ष 2016-17 में मैंग्रोव आवरण का 9080 हेक्टर तक विस्तार हुआ था। 4920 हेक्टेयर क्षेत्र में नए रोपण के साथ कच्छ की खाड़ी में सर्वाधिक रोपण हुआ था। विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वृक्षारोपण की प्रक्रिया को निरंतर जारी रखा गया है। वर्ष 2023-24 में राज्य में 6930 हेक्टेयर क्षेत्र में मैंग्रोव का रोपण किया गया, जबकि वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 12,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में मैंग्रोव रोपण करने की योजना है। मैंग्रोव तटीय क्षेत्र के वन हैं, जिसमें खारे पानी में उगने वाले पेड़ शामिल होते हैं, जो पोषक तत्वों और गाद को फिल्टर कर पानी की गुणवत्ता को सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

किसानों की समस्याओं का जल्द निवारण करे यूपीसीडा : ब्रजेश

कानपुर। एजेंसी

ट्रांस गंगा सिटी के निर्माण को लेकर अधिग्रहण के दौरान जो किसानों से करार हुआ था उसको 10 साल बाद भी पूरा नहीं हुआ। इस पर गुरुवार को किसानों का एक प्रतिनिधि मंडल लखनऊ जाकर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मिला। उपमुख्यमंत्री ने यूपीसीडा के एमडी से फोन पर वार्ता कर कहा कि किसानों की समस्याओं का जल्द निवारण करें। शासन की ओर से बीते दिनों गंगा बैराज मार्ग स्थित ट्रांस गंगा सिटी प्रांगण में वन विभाग की ओर से एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें बतौर मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री पाठक पहुंचे थे और इस दौरान जिन किसानों की जमीन गंगा बैराज स्थित ट्रांस गंगा सिटी के निर्माण के लिए अधिग्रहण की गई थी उन किसानों ने उपमुख्यमंत्री से मिलकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

उपमुख्यमंत्री ने उन सभी किसानों को लखनऊ आवास पर बुलाया था और गुरुवार को लक्ष्मी शंकर अवस्थी की अगुवाई में किसानों का प्रतिनिधि मंडल उपमुख्यमंत्री से मिला।

संक्षिप्त खबरें

वनडे मैचों के लिए आयरलैंड महिला टीम घोषित, लॉरा डेलानी को मिली कमान

डबलिन। श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे मैचों के लिए आयरलैंड महिला टीम घोषित, लॉरा डेलानी को मिली कमान आयरलैंड क्रिकेट ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो टी- 20 और तीन मैचों की एकदिनी श्रृंखला के लिए महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है, दोनों टीमों के बीच श्रृंखला के मैच बेलफास्ट और डबलिन में खेले जायेंगे। वनडे के नतीजों को आईसीसी महिला चैंपियनशिप के लिए गिना जाएगा। यह सीरीज 8 अगस्त से 21 अगस्त के बीच खेली जाएगी। लॉरा डेलानी दोनों प्रारूपों में टीम की कप्तानी करेंगी। क्रिस्टीना कूल्टर-रेली और ऐलिस टेक्टर को अपना पहला कॉल अप मिला है - टेक्टर आयरलैंड मेन्स इंटरनेशनल क्रिकेटर हैरी टेक्टर की छोटी बहन हैं। ऊना रेमंड-होए ने 2019 में अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद सीनियर टीम में वापसी की है।

टी20आई टीम : लौरा डेलानी (कप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टीना कूल्टर-रेली, अलाना डाल्जेल, एमी हंटर, अर्लीन केली, गैबी लुईस, जेन मैगुइरे, कारा मरे, लीह पॉल, ओर्ला प्रेंडरगैस्ट, ऊना रेमंड-होए, फ्रेया सार्जेंट, रेबेका स्टोकेल।

वनडे टीम : लौरा डेलानी (कप्तान), एवा कैनिंग, अलाना डाल्जेल, एमी हंटर, अर्लीन केली, गैबी लुईस, जोआना लॉगरन, एमी मैगुइरे, लीह पॉल, ओर्ला प्रेंडरगैस्ट, ऊना रेमंड-होए, फ्रेया सार्जेंट, रेबेका स्टोकेल, एलिस टेक्टर।

लातविया रूसी ओलंपिक एथलीटों को शेंगेन क्षेत्र में प्रवेश करने से नहीं रोकेगा: प्रधानमंत्री

रीगा। प्रधान मंत्री इविका सिलिना ने बुधवार को कहा कि लातविया की रूसी ओलंपिक एथलीटों को शेंगेन क्षेत्र में प्रवेश से वंचित करने की कोई योजना नहीं है। राष्ट्रपति एडगर्स रिंकेविक्स के साथ बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सिलिना ने कहा कि पेरिस ओलंपिक खेलों में रूसी एथलीटों का प्रवेश आयोजकों की जिम्मेदारी है, हालांकि लातविया ने खेलों में रूसी एथलीटों की भागीदारी पर ध्यान आकर्षित किया है। पिछले दिसंबर में, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने सख्त पात्रता शर्तों के तहत पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत तटस्थ एथलीटों (एआईएन) की भागीदारी को मंजूरी दी थी। आईओसी ने तब घोषणा की थी कि एआईएन, रूसी या बेलारूसी पासपोर्ट रखने वाले एथलीट, जिन्होंने खेल के मैदान पर अंतरराष्ट्रीय महासंघों की मौजूदा योग्यता प्रणालियों के माध्यम से अपना स्थान सुरक्षित किया है।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी स्वतंत्रता दिवस पर होगी

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2024 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 15 और 16 अगस्त 2024 को मुंबई में होगी। लीग की यात्रा एक दशक पहले मुंबई में यू मुंबा और जयपुर पिंक पैंथर्स के बीच रोमांचक मैच के साथ शुरू हुई थी। 2 दिसंबर 2023 से 1 मार्च 2024 तक प्रो कबड्डी लीग के दसवें सीजन के सफलतापूर्वक समापन के बाद, लीग 10 सीजन पूरे करने वाली भारत की दूसरी खेल लीग बन गई है। इसके अतिरिक्त, आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 से पहले एक नया लोगो जारी किया। लोगो में भारतीय तिरंगे के समान केसरिया और हरे रंग को दिखाया गया है, जो कबड्डी के खेल को देश के गौरवपूर्ण खेल के रूप में चित्रित करता है। प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, ह्लहमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि प्रो कबड्डी सीजन 11 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी इस साल स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित की जा रही है।

भारतीय महिला टीम ने तीरंदाजी स्पर्द्धा में क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया

पेरिस। एजेंसी

भजन कौर, दीपिका कुमारी और अंकिता भक्त की भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने 1983 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल करके सीधे पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। महिला तीरंदाजी रैंकिंग राउंड में, दक्षिण कोरिया 2046 अंकों के साथ सूची में शीर्ष पर रहा, उसके बाद चीन (1996) और मैक्सिको (1986) थे। भारत के लिए, अंकिता भक्त सीजन के सर्वश्रेष्ठ 666 अंकों के साथ 11वें स्थान पर रहीं और महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता में 11वीं वरीयता प्राप्त की। दक्षिण कोरिया की लिम सिहयोन (694 अंक विश्व रिकॉर्ड), और नाम सुहयोन (688, व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ) महिला रैंकिंग में पहले और दूसरे स्थान पर रहीं। रैंकिंग राउंड के दौरान, प्रत्येक निशानेबाज को 36-36 के दो हिस्सों में 72 तीर मारने थे। एक सेट में एक साथ छह तीर चलाए जाते हैं, और प्रति आधे में छह सेट होते हैं।

दूसरी ओर, दीपिका दूसरे सेट में 54 अंकों के साथ 36वें स्थान पर पहुंच गईं लेकिन तीसरे सेट में 54 अंकों के साथ 39वें स्थान पर खिसक गईं। पहले सेट के आधे समय में दक्षिण कोरिया की सिहयोन लिम (176) और सुहयोन नाम (172) शीर्ष दो स्थान पर रहीं। अंकिता (170 अंकों के साथ 7वें), दीपिका (161 अंकों के साथ 39वें) और भजन (161 अंकों के साथ 41वें) भी ऊपर चढ़ रहे थीं।

शीर्ष चार वरीय खिलाड़ियों ने क्वार्टर फाइनल में सीधे योग्यता अर्जित की। पहले सेट के समापन पर, भारतीय तीरंदाज अंकिता भक्त ने 54 अंक बनाए और 22वें स्थान (10, 10, 9, 9, 8, 8) पर रहीं, दीपिका कुमारी 51 अंक और 51वें स्थान (10, 9, 9, 9 8, 6) पर रहीं, भजन कौर के 51 अंक (9, 9, 9, 9, 8, 7) और 52वां स्थान था। अग्रणी खिलाड़ी 59 अंकों के साथ दक्षिण कोरिया की सिहयोन लिम थे। अगले दो सेटों में, अंकिता और भजन ने अपनी

भजन और दीपिका ने 56 अंक हासिल किए

11वें सेट में भक्त ने 58 अंक जुटाए, जबकि भजन और दीपिका ने 56 अंक हासिल किए। अंतिम सेट में दीपिका ने लगातार चार 10-पॉइंट अंक हासिल करके चमक बिखेरी। उन्होंने 57 अंक अर्जित किए और 658 के कुल योग के साथ 23वें स्थान पर रहीं। भजन ने 53 अंकों के साथ अंतिम सेट समाप्त किया। उन्होंने 659 अंकों के साथ 22वां स्थान हासिल किया। अंकिता 666 अंकों के साथ 11वें स्थान पर रहीं और अंतिम सेट में 54 अंक अर्जित किए।

स्थिति में सुधार करना शुरू कर दिया और क्रमशः सातवें और 41वें स्थान पर पहुंच गईं।

अगले दो सेटों में, अंकिता और भजन ने अपनी स्थिति में सुधार करना शुरू कर दिया और क्रमशः सातवें और 41वें स्थान पर पहुंच गए। दूसरी ओर, दीपिका दूसरे सेट में 54 अंकों के साथ 36वें स्थान पर पहुंच गईं लेकिन तीसरे सेट में 54 अंकों के साथ 39वें स्थान पर खिसक गईं। पहले सेट के आधे समय में दक्षिण कोरिया के सिहयोन लिम (176) और सुहयोन नाम (172) शीर्ष दो स्थान पर रहे। अंकिता (170 अंकों के साथ 7वें), दीपिका (161 अंकों के साथ 39वें) और भजन (161 अंकों के साथ 41वें) भी ऊपर चढ़ रहे थे।

तीसरा सेट समाप्त होने तक एक टीम के रूप में भारत 12 में से चौथी वरीयता प्राप्त कर चुका था। चौथे सेट में अंकिता को थोड़े समय के लिए 8वें स्थान पर खिसकना पड़ा, जबकि दीपिका और भजन क्रमशः 31वें और 38वें स्थान पर पहुंच गये। पांचवें सेट में, अंकिता 10वें स्थान पर गिर गईं, जबकि भजन और दीपिका क्रमशः 23वें और 33वें स्थान पर पहुंच गए। भारत ने एक टीम के रूप में रैंकिंग राउंड का पहला भाग छठे स्थान पर समाप्त किया।

अंकिता 389 अंकों के साथ 15वें स्थान पर खिसक गईं

भारत ने दूसरे हाफ की शुरूआत बहुत अच्छी की, जिसमें अंकिता 389 अंकों के साथ 15वें स्थान पर खिसक गईं, लेकिन दीपिका (384 अंकों के साथ 25वां स्थान) और भजन (383 अंकों के साथ 28वां स्थान) आगे बढ़ीं। दूसरे हाफ की शुरूआत में भारत चौथी वरीयता पर पहुंच गया। आठवें सेट के अंत में भारत ने अपनी चौथी वरीयता बरकरार रखी, जिसमें अंकिता 445 अंकों के साथ 11वें स्थान पर, दीपिका 439 अंकों के साथ 24वें स्थान पर और भजन 437 अंकों के साथ 30वें स्थान पर आ गए। नौवें सेट के अंत में भारत पांचवें स्थान पर खिसक गया, अंकिता 11वें स्थान पर बरकरार रही, दीपिका 30वें स्थान पर और भजन 25वें स्थान पर पहुंच गये। दसवें सेट के अंत में भारत एक बार फिर चौथे स्थान पर पहुंच गया, जिसमें अंकिता 12वें स्थान पर खिसक गईं, भजन 21वें स्थान पर और दीपिका भी 28वें स्थान पर पहुंच गईं।

सेमीफाइनल में उत्तरांचल की पूर्वी ने मप्र की वैदेही को दी मात, उप्र के कौस्तुभ ने प. बंगाल के नोमन को हराया

लखनऊ। एजेंसी

आइटा चैंपियनशिप सिरीज टेनिस टूर्नामेंट में गुरुवार को सेमीफाइनल मैच खेला गया। विभिन्न वर्गों में खिलाड़ियों ने जमकर उत्साह दिखाये। बालिका वर्ग के अंडर-14 में उत्तरांचल की पूर्वी पातवा ने म.प्र. की वैदेही सिने को सीधे मुकाबले में हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं पुरुष अंडर-14 में उप्र के कौस्तुभ सिंह ने पंश्चिम बंगाल के नोमन अख्तर को हरा दिया। मिनी स्टेडियम विजयंत खंड गोमतीनगर में खेले गये सेमी फाइनल महिला वर्ग के अंडर-14 में कर्नाटक की नक्षत्र अय्यर ने ताशी किरन को सीधे मुकाबले में 6-0, 6-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं दूसरे मुकाबले में उत्तरांचल की पूर्वी पातवा ने म.प्र के वैदेही सीने को 6-2, 6-2 से मात दे दी। पुरुष अंडर-14 सेमीफाइनल में उप्र के कौस्तुभ सिंह ने पश्चिम बंगाल नमन अख्तर को सीधे मुकाबले में 6-1, 6-0 से मात दे दी। वही दूसरे सेमी फाइनल मैच में उप्र के रोहिन राज ने उप्र के ध्रुव सिंह को 6-4, 6-1 से हरा दिया। वहीं महिला वर्ग के अंडर-12 के सेमी फाइनल में महाराष्ट्र की नक्षत्र अय्यर ने उप्र की अनिशा कार्नेलियों को 6-0, 6-0 से हराया, जबकि उत्तरांचल की पूर्वी पातवा ने मध्यप्रदेश की वैदेही शिंदे को 6-2, 6-2 से हरा दिया। वहीं पुरुष अंडर-12 में उप्र के आयुष्मान पाठक ने कर्नाटक के सिद्धार्थ कंडुकूरी को 6-3, 6-3 से हरा दिया। वहीं उप्र के आरव शुक्ला ने उप्र के ही अच्युत जायसवाल को हरा दिया। पुरुष अंडर-14 के डबल मुकाबले में उप्र के कास्तुभ सिंह और उप्र की रोहन राज की जोड़ी ने उप्र के अयान यादव और बिहार के अविनाश राय की जोड़ी को 7-5, 7-6 से हरा दिया। उप्र के अर्जुन शर्मा और वैभव की जोड़ी ने पश्चिम बंगाल के नोमान अख्तर और उप्र के यदूराज की जोड़ी को 6-0, 6-3 से हरा दिया।

पीवी सिंधु, कमल ने कहा- हम इस पल को लेकर सपने देख रहे थे

पेरिस। एजेंसी

बहुप्रतीक्षित पेरिस 2024 ओलंपिक के उद्घाटन समारोह से पहले, भारत के ध्वजवाहक अचंता शरथ कमल और पीवी सिंधु ने इस यादगार पल के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और बैडमिंटन में 2019 विश्व चैंपियन पीवी सिंधु अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरथ कमल के साथ भारत की ध्वजवाहक होंगी। गगन नारंग भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन होंगे। उस पल की पूर्व संध्या पर, कमल ने खुलासा किया कि वह तीन चार महीने से इस शानदार पल के बारे में सपना देख रहे थे। कमल ने आईओए मीडिया के एक वीडियो में कहा 26 जुलाई का इंतजार है, जब हम उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे।

भारतीय पुरुष टीम पहले मैच में चीन से भिड़ेगी

नई दिल्ली। एजेंसी

पेरिस ओलंपिक खेलों की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए ड्रा बुधवार को निकाला गया। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा पेरिस 2024 ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा के शुरूआती दौर में ग्रेट ब्रिटेन की 18 वर्षीय अन्ना हर्से से भिड़ेंगी। आगामी संस्करण के लिए 18वीं वरीयता प्राप्त बत्रा ने महिला एकल में टोक्यो 2020 के तीसरे दौर में जगह बनाई। रियो 2016 में पदार्पण के बाद ग्रीष्मकालीन खेलों में यह उनकी लगातार तीसरी उपस्थिति होगी।

अन्ना हर्से ओलंपिक में पदार्पण करेंगी। इस बीच, पेरिस 2024 में महिला एकल में 16वीं वरीयता प्राप्त श्रीजा अकुला अपने 64वें राउंड के मैच में स्वीडन की क्रिस्टीना कालबर्ग से भिड़ेंगी। कल्बर्ग इस इवेंट में टोक्यो 2020 में शामिल हुए और शुरूआती दौर में हार गईं थीं। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों को पुरुष टीम स्पर्धा में कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा क्योंकि वे शुरूआती दौर में चार बार के स्वर्ण पदक विजेता पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से भिड़ेंगे। 2008 में ओलंपिक में टीम स्पधाओं की शुरूआत के बाद से, चीन ने सभी संस्करणों में पुरुषों की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। भारत ने पहली बार ओलंपिक में टेबल टेनिस में टीम स्पधाओं के लिए क्वालीफाई किया है। 2008 में ओलंपिक में टीम स्पधाओं की शुरूआत के बाद से, चीन ने सभी संस्करणों में पुरुषों की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है।

वाणिज्य

शेयर बाजार ने कमजोरी के साथ की शुरुआत सेंसेक्स और निफ्टी में रिकवरी के संकेत

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार ने लगातार दूसरे दिन कमजोरी के साथ कारोबार की शुरूआत की है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 0.75 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ खुले। हालांकि कारोबार शुरू होने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों का सपोर्ट मिल जाने के कारण शेयर बाजार निचले स्तर से रिकवरी करता नजर आया। लेकिन बाजार में बिकवाली का दबाव इतना अधिक है कि दोनों सूचकांक लगातार लाल निशान में ही बने हुए हैं। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.53 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा मोटर्स, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, लार्सन एंड टूब्रो, ओएनजीसी और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 3.21 प्रतिशत से लेकर 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, श्रीराम फाइनेंस और टाइटन कंपनी के शेयर 5.94 प्रतिशत से लेकर 1.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,216 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 891 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,325 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 21 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई के सेंसेक्स ने आज 606.77 अंक टूट कर 79,542.11 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव पड़ने के कारण ये सूचकांक लुढ़क कर 79,477.83 अंक तक पहुंच गया। लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से लगातार दूसरे दिन कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी आज लगातार दबाव बना हुआ है। अल्फाबेट और टेस्ला जैसी दिग्गज कंपनियों के कमजोर नतीजे की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान हड़कंप मच गया। वॉल स्ट्रीट में घबराहट का ये हाल था कि पूरे सत्र के कारोबार के दौरान अमेरिकी बाजार में निवेशकों को 1.12 ट्रिलियन डॉलर के नुकसान का सामना करना पड़ा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 128.61 अंक यानी 2.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,427.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 654.94 अंक यानी 3.64 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 17,342.41 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

कच्चा तेल 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी है। ब्रेंट क्रूड टूटकर 82 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने पेट्रोल-डीजल के मूल्य में बदलाव नहीं किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.68 डॉलर यानी 0.83 फीसदी की गिरावट के साथ 81.03 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.67 डॉलर यानी 0.86 फीसदी फिसलकर 76.92 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

सर्राफा बाजार में चांदी का भाव गिरा

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार चौथे दिन कमजोरी नजर आ रही है। हालांकि सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन चांदी के भाव में 500 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 71,450 रुपये से लेकर 70,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 65,490 रुपये से लेकर 64,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सरार्फा बाजार में ये चमकीली धातु 87,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

नेस्ले इंडिया को अप्रैल-जून तिमाही में 746.6 करोड़ रुपये का हुआ मुनाफा

- जून तिमाही में कंपनी का मुनाफा 6.9 फीसदी उछलकर 746.6 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। एजेंसी

दैनिक उपयोग की डिब्बाबंद खाद्य वस्तुओं की कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का मुनाफा 6.9 फीसदी उछलकर 746.60 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले साल सामान अवधि में कंपनी को 698.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। नेस्ले इंडिया ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 6.9 फीसदी बढ़कर 746.60 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का मुनाफा 698.34 करोड़ रुपये रहा था। नेस्ले इंडिया की उत्पादों की बिक्री से आय भी 3.75 फीसदी बढ़कर 4,792.97 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष इसी तिमाही में 4,619.50 करोड़ रुपये थी।

कंपनी ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसका कुल व्यय 2.7 फीसदी बढ़कर 3,844.01 करोड़ रुपये हो गया। अप्रैल-जून तिमाही में नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री भी 4.24 फीसदी बढ़कर 4,608.50 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की सामान अवधि में 4,420.77 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान उसकी कुल इनकम 3.64 फीसदी बढ़कर 4,853.07 करोड़ रुपये हो गई।

उल्लेखनीय है कि नेस्ले इंडिया लिमिटेड, स्विस कंपनी नेस्ले की भारतीय सहायक कंपनी है, जो एक बहुराष्ट्रीय कंपनी है। इसका मुख्यालय हरियाणा के गुड़गांव में स्थित है। कंपनी के प्रमुख उत्पादों में भोजन, पेय पदार्थ, चॉकलेट और कन्फेक्शनरी मुख्य रूप शामिल हैं।

दिल्ली शराब घोटाला मामले में केजरीवाल को फिर झटका, 8 अगस्त तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली/एजेंसी।

आबकारी नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई की ओर से दायर मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई है। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर आज उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया था।बता दें कि मुख्यमंत्री वर्तमान में ईडी और सीबीआई दोनों ही मामलों में जेल में बंद हैं। मनी लॉन्ड्रिंग के कथित आरोप में ईडी ने हिरासत में लिया था, जबकि सीबीआई ने 26 जून को भ्रष्टाचार मामले में उनका पर शिकंजा कसा था। दोनों ही जांच एजेंसियों द्वारा उठाया गया यह

कदम केजरीवाल के लिए दोहरे झटके के समान है। ध्यान दें, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल चुकी है, जबकि सीबीआई का मामला अभी दिल्ली हाईकोर्ट में विचाराधीन है।

उधर, केजरीवाल के अलावा मनीष सिसोदिया और के कविता को भी आज अदालत में पेश किया गया। सिसोदिया और के कविता की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी गई है, जबकि केजरीवाल को अब आठ अगस्त तक सलाखों के पीछे रहना होगा। केजरीवाल के अलावा मनीष सिसोदिया और के कविता के ऊपर भी शराब घोटाला मामले में गाज गिरी है। सीएम केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और के कविता शराब घोटाला मामले में अभी तिहाड़ जल में बंद है। तीनों के खिलाफ मामला कोर्ट में विचाराधीन है। तीनों को लगातार अदालत से निराशा ही हाथ लग रही है।

इससे पहले, केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई के लिए बढ़ाई गई थी। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद आज उन्हें अदालत के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए पेश किया गया। केजरीवाल 21 मार्च से दिल्ली शराब घोटाला मामले में जेल में बंद हैं। अब तक वो कई दफा राहत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुके हैं, लेकिन अभी तक उनके लिए राहत की कोई भी संभावना जन्म लेती हुई नजर नहीं आ रही है।

बता दें कि दिल्ली शराब घोटाला मामले की जांच सीबीआई और ईडी दोनों ही जांच एजेंसियां कर रही हैं। ईडी जहां मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से दिल्ली शराब घोटाले की जांच कर रही है, तो वहीं सीबीआई भ्रष्टाचार के एंगल से जांच कर रही है। उधर, आम आदमी पार्टी लगातार अपने नेताओं का बचाव करने में लगी हुई है।

सार्वजनिक निर्माण विभाग में अधीक्षण अभियन्ता वृत्त शहर जयपुर में बिलो दरों पर हो रहे टेंडर (हो रही कार्य की गुणवत्ता प्रभावित)

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग अधीक्षण अभियंता वृत्त शहर जयपुर के अधिकांश टेंडर अनुमान से कम लागत पर हो रहे हैं,आश्चर्य है गुणवत्ता के साथ यह समझौता नियमानुसार चल रहा है। जिम्मेदार भी यही मान रहे हैं कि यही सिस्टम है,लेकिन बिलो रेट पर टेंडर कॉल और उसके बाद घटिया काम का खामियाजा आम जनता भुगत रही है।

ऐसे में ठेकेदार गुणवत्ता के साथ कैसे काम कर सकता है यह एक बड़ा सवाल है!

सार्वजनिक निर्माण विभाग के ज्यादातर भवन, फ़र्नीचर,पेंटिंग के कार्यों में बिलो राशि टेंडर हुआ है,जिसमें गुणवत्ता बिल्कुल भी दिखाई नहीं दे रही है,इस सिस्टम को बदलने की जरुरत है,लेकिन जिम्मेदार इसके लिए संजीदा नहीं हैं।

ठेकेदार बीएसआर को ठेंगा दिखाते हुए नज़र आ रहे हैं !

यह है बिलो रेट का गणित

ठेकेदारों के बीच हो रही प्रतिस्पर्धा के कारण ठेकेदार अनुमानित लागत से कम पर टेंडर भरते हैं,जिसका रेट सबसे कम, विभाग उसे काम देता है जो की निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के लिए खतरनाक है।

नाम नहीं छापने की शर्त पर एक ठेकेदार ने बताया कि, ठेकेदारों के बीच कंपीटिशन की वजह से बिलो राशि पर टेंडर होता है,5-10 परसेंट बिलो राशि हो तो काम हो जाता है अगर 15 से 20 या उससे अधिक 30 परसेंट बिलो हो तो काम करना मुश्किल हो जाता है।

अभियंता नहीं दे रहे हैं ध्यान

सार्वजनिक निर्माण विभाग में अभियन्ता या तो अपनी नई पोस्टिंग का इंतज़ार कर रहे हैं या अपनी सेवानिवृति का ,इनके ध्यान न देने से विभाग के टेंडरों में भारी अनियमितता देखने को मिल रही है वृत्त शहर जयपुर में चार तरह के टेण्डर होते हैं !

पहला पेंटिंग जिसकी दर 60 %से 70% बिलो जा रही है !
दूसरा सिविल जिसकी दर 30 %से 35 %बिलो जा रही है !
तीसरा सेनेट्री जिसकी दर 30 % से 35 %बिलो जा रही है !
चौथा फ़र्नीचर जिसकी दर 30 % से 33 % बिलो जा रही है !

उसके पश्चात अठारह प्रतिशत जीएसटी अलग अब यदि ठेकेदार इतनी कम दरों पर कार्य रहे हैं तो उनकी क्वालिटी का अंदाज़ लगाया जा सकता है अधीक्षण अभियन्ता वृत्त शहर जयपुर अपनी नई पोस्टिंग का तो अतिरिक्त मुख्य अभियंता अपनी सेवा निवृति का इंतज़ार कर रहे हैं, इनके कार्यों के प्रति बेरुख़ी विभाग को भारी घाटा पहुँचा रही है!

मुख्य अभियन्ता (क्वालिटी कंट्रोल) नहीं दे रहे ध्यान

सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता (क्वालिटी कंट्रोल) निर्माण कार्य की क्वालिटी को लेकर सिर्फ खानापूर्ति कर रहे है,एक्चुअल काम और कम रेट पर सड़कों की जांच व मॉनीटरिंग सही तरीक़े से नहीं की जा रही है। वृत्त शहर जयपुर के अधीन हो रहे टेंडरों में जा रही बीलो दरों पर मुख्य अभियन्ता क्वालिटी कंट्रोल के ध्यान नहीं देने के कारण भी कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है !अभी कुछ दिनों पूर्व भी विभाग के किये गये कार्यों की पोल खोलती एक रिपोर्ट मुख्य समाचार पत्र में प्रकाशित हुई थी जिसमें विभाग द्वारा बनायी गई सड़क मुख्य अभियन्ता क्वालिटी कंट्रोल द्वारा ध्यान नहीं देने के कारण कुछ ही समय में ख़राब हो गई , हमारे संवाददाता द्वारा इस विषय पर बात करने पर मुख्य अभियंता क्वालिटी कंट्रोल द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया!

बुनियादी कार्यों को छोड़कर लीपापोती के कार्यों के जॉब नंबर कर रहे अलॉट

सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता वृत्त शहर जयपुर के अधीक्षण अभियंता अनिल विजयवर्गीय बुनियादी कार्य को छोड़कर (छत की रिपेयरिंग , कैंटीन में फ़ाल्स सेलिंग ,वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम)लीपापोती के कार्यों के जॉब नंबर अपने चहेते ठेकेदारों को अलॉट कर रहे हैं।

अभियंता कर रहे पोस्टिंग का इंतज़ार

» सार्वजनिक निर्माण विभाग में डीपीसी हुए कई दिन हो चुके हैं अब अभियन्ता अपनी नई पोस्टिंग का इंतज़ार कर रहे हैं,उम्मीद है विधानसभा ख़त्म होने के पश्चात इन्हें नए पदों पर नियुक्त कर दिया जाएगा !

एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसा : डबल डेकर बस और ट्रक के बीच भीषण भिड़ंत, तीन लोगों की मौत, 87 घायल

फिरोजाबाद /एजेंसी।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बीती देर रात एक भीषण सड×क हादसा हुआ। यहां एक टूरिस्ट बस बालू के ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 87 लोग घायल हो गए, जबकि तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ये घटना थाना नगला खगर क्षेत्र के आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के पिलर-59 के पास हुआ। यात्रियों से भरी बस बहराइच से दिल्ली जा रही थी। बताया जा रहा है कि चालक को अचानक नींद लग गई और बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि बस चालक समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बस में सवार 87 लोग घायल हो गए। बता दें कि बस में 150 लोग यात्रा कर रहे थे। वहीं, हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उन्होंने सभी घायलों को सैफई और शिकोहाबाद के अस्पतालों में भर्ती कराया। फिरोजाबाद के एसपी ग्रामीण रामविजय सिंह ने घटना की जानकारी दी। बताया कि गुरुवार देर रात एक बजे के आसपास उन्हें हादसे की जानकारी मिली थी।

विपक्ष ने देश के जनादेश का अपमान किया है : केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू

नई दिल्ली/एजेंसी। संसद के बजट सत्र का गुरुवार को चौथा दिन है और आज भी सदन में हंगामा देखने को मिल रहा है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर देश के जनादेश का अपमान करने और पीएम मोदी को गाली देने का आरोप लगाया है।किरेन रिजिजू ने कहा कि ये मानसून सत्र है और एक तरीके से ये बजट सत्र ही है। इस सत्र में जो बजट पेश किया गया, कल उस बजट पर चर्चा का पहला दिन था। देश देखना चाहता है कि बजट पर अच्छी चर्चा हो सार्थक चर्चा हो। लेकिन कल विपक्ष के कुछ नेताओं ने जिस तरीके से बजट पर बात की, जैसा भाषण दिया, बजट सत्र की गरिमा को गिरा कर इन्होंने सदन का अपमान किया है। पीएम मोदी ने पहले ही कह दिया था कि चुनाव में पार्टियों को जो कुछ करना था वो कर दिया है। अगले पांच साल सबको मिलकर देश के लिए काम करना है।

उन्होंने आगे कहा कि कल विपक्ष ने बजट पर कुछ नहीं कहा केवल राजनीति की है। दो चीजें विपक्ष के नेताओं ने कल की हैं, उन्होंने देश के जनादेश का अपमान किया है और पीएम मोदी को गाली देने का काम किया है। ये लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। कल आपने देखा होगा कि एनडीए के जितने लोगों ने बात की बजट के बारे में अच्छे से बात की और सुझाव दिया। विपक्ष के लोगों ने बजट के अच्छे प्रावधान का जिक्र न करते हुए केवल गाली देने का काम किया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में प्रधानमंत्री को गाली देना किसी को शोभा नहीं देता है।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से अपील करते हुए कहा कि कि बजट सत्र में बजट पर चर्चा होनी चाहिए। इस बार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा जो बजट पेश किया गया है दरअसल वो पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बनाने की नींव रखी गई है।

विपक्ष ने देश के जनादेश का अपमान किया है : केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू

नई दिल्ली/एजेंसी। संसद के बजट सत्र का गुरुवार को चौथा दिन है और आज भी सदन में हंगामा देखने को मिल रहा है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर देश के जनादेश का अपमान करने और पीएम मोदी को गाली देने का आरोप लगाया है।किरेन रिजिजू ने कहा कि ये मानसून सत्र है और एक तरीके से ये बजट सत्र ही है। इस सत्र में जो बजट पेश किया गया, कल उस बजट पर चर्चा का पहला दिन था। देश देखना चाहता है कि बजट पर अच्छी चर्चा हो सार्थक चर्चा हो। लेकिन कल विपक्ष के कुछ नेताओं ने जिस तरीके से बजट पर बात की, जैसा भाषण दिया, बजट सत्र की गरिमा को गिरा कर इन्होंने सदन का अपमान किया है। पीएम मोदी ने पहले ही कह दिया था कि चुनाव में पार्टियों को जो कुछ करना था वो कर दिया है। अगले पांच साल सबको मिलकर देश के लिए काम करना है।

उन्होंने आगे कहा कि कल विपक्ष ने बजट पर कुछ नहीं कहा केवल राजनीति की है। दो चीजें विपक्ष के नेताओं ने कल की हैं, उन्होंने देश के जनादेश का अपमान किया है और पीएम मोदी को गाली देने का काम किया है। ये लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। कल आपने देखा होगा कि एनडीए के जितने लोगों ने बात की बजट के बारे में अच्छे से बात की और सुझाव दिया। विपक्ष के लोगों ने बजट के अच्छे प्रावधान का जिक्र न करते हुए केवल गाली देने का काम किया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में प्रधानमंत्री को गाली देना किसी को शोभा नहीं देता है।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से अपील करते हुए कहा कि कि बजट सत्र में बजट पर चर्चा होनी चाहिए। इस बार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा जो बजट पेश किया गया है दरअसल वो पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बनाने की नींव रखी गई है।

हिमाचल के सिरमौर में भारी भूस्खलन, नेशनल हाईवे 707 पर आवागमन ठप

सिरमौर /एजेंसी।

हिमाचल के सिरमौर जिले में भीषण भूस्खलन हुआ है। यह भूस्खलन नेशनल हाईवे 707 पर चिल्लन के पास हुआ है। इसके चलते यातायात बाधित हो गया है। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। पत्थर के टुकड़े गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं।बता दें कि पहाड़ दरकने के कारण यह हादसा हुआ है। इस कारण हाईवे पर मलबे का ढेर लग गया है। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय प्रशासन मलबा हटाने में जुटा है। राजमार्ग को बहाल

होने में काफी समय लग सकता है। अधिकारियों ने लोगों से दूसरा रास्ता तलाशने को कहा है। भूस्खलन के कारण लोगों को इस रास्ते से दूर रहने की सलाह दी गई है। सिरमौर जिला प्रशासन ने यात्रियों से धैर्य रखने और यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन करने को कहा है। राजमार्ग से मलबा जल्द से जल्द हटाने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही यातायात बहाल कर दिया जाएगा।

बता दें कि पिछले साल भीषण बाढ़ और भूस्खलन की आपदा झेलने वाले हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केंद्र सरकार पर मंगलवार को संसद में पेश बजट में राज्य की अनदेखी का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि हिमाचल में आपदा के लिए कोई बजट आवंटित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, हमने उम्मीद की थी कि आपदा के बाद पीडीएनए (पोस्ट डिजास्टर नीड असेसमेंट) मिलेगा, लेकिन राज्य को यह नहीं मिला। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड, सिक्किम और गोवा के लिए असिस्टेंट शब्द का उल्लेख किया गया है, जबकि हिमाचल प्रदेश के लिए मल्टीलेटरल डेवलपमेंट असिस्टेंट की बात कही गई है। बाढ़ और आपदा के लिए उत्तराखंड, गोवा और सिक्किम के लिए सीधे असिस्टेंट देने की बात कही गई है, लेकिन हिमाचल के साथ ऐसा नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के लिए राज्य सरकार ने नौ हजार करोड़ रुपये की सहायता का अनुरोध केंद्र सरकार को भेजा है जो हमें जरूर मिलना चाहिए। इसके अलावा अलग से भी प्रदेश के लिए बजट आवंटित करना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल के साथ भेदभाव किया जा रहा है। यह बहुत दुख की बात है।

संक्षिप्त समाचार

जियो थिंग्स और मीडियाटेक ने टू-व्हीलर बाजार में लॉन्च किए 4जी स्मार्ट एंड्रॉइड क्लस्टर और स्मार्ट मॉड्यूल

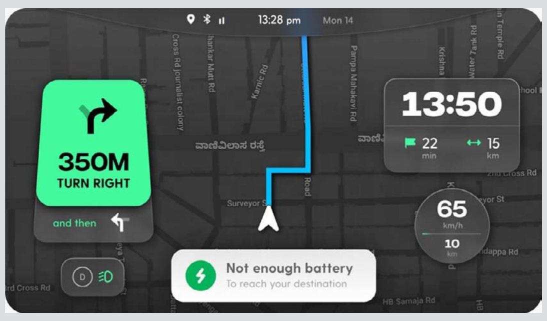

चमकता राजस्थान। मुंबई। जियो थिंग्स लिमिटेड और मीडियाटेक ने ₹मेड इन इंडिया₹ 4जी स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर और स्मार्ट मॉड्यूल लॉन्च किए हैं। जियो थिंग्स, जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड की सहायक कंपनी है, जो दोपहिया बाजार में बड़े बदलाव लाने के लिए मीडियाटेक के साथ मिलकर काम कर रही है। जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रेसिडेंट किरण थॉमस ने कहा, हम मीडियाटेक के साथ मिलकर मोबिलिटी उद्योग में नए मानक स्थापित करने के लिए उत्साहित हैं। ग्राहकों को जियो ऑटोमोटिव एप सूट₹ के माध्यम से कई सेवाएं मिलेंगी, जिसमें जियो वॉइस असिस्टेंट, जियो सावन, जियो पेजेज, और जियो एक्सप्लोर शामिल हैं। जियो थिंग्स का स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर अवनि ओएस पर आधारित है, जो रियल टाइम डेटा एनालिटिक्स करता है और बेहतर कंट्रोल के लिए वॉयस पहचानता है। मीडियाटेक के कॉरपोरेट सीनियर वाइस प्रेसिडेंट जेरी यू ने कहा, ‘‘मीडियाटेक द्वारा संचालित 2-व्हीलर स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर पर जियो थिंग्स के साथ सहयोग आईओटी और ऑटोमोटिव दोनों क्षेत्रों में इनोवेशन को लेकर हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। भारतीय दोपहिया ईवी बाजार 2025 के अंत तक 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें 30 लाख से अधिक वाहन सड़क पर होंगे।

संस्कृति सप्ताह के तहत आज गांव अलीगढ एवं भगवानस्वरूप का पुरा के विद्यालय में पौधारोपण का कार्य दोनो विद्यालयो में 50 पौधे लगाए

चमकता राजस्थान धौलपुर से रामदास तरुण। संस्कृत सप्ताह के तहत बाड़ी अलीगढ़ एवं भगवान स्वरूप का पुरा के विद्यालय में किया पौधा रोपण! कार्यक्रम में संस्कृति सप्ताह प्रमुख रेखा मंगल ने बताया कि हर वर्ष की तरह परिषद द्वारा इस बर्ष भी सात दिवसीय संस्कृति सप्ताह मनाया जा रहा है।जिसके अंतर्गत पौधारोपण, तुलसी वितरण, विद्यालय में स्वास्थ्य एवं योग पर चर्चा, वन भ्रमण, कैला माता मंदिर पर महा आरती आदि कार्य किए जाएंगे।

आज के कार्यक्रम में परिषद के रीजनल संयुक्त महासचिव डॉ. शिवदयाल मंगल, प्रांतीय महिला संयोजिका सरोज मंगल, उपाध्यक्ष डॉ. गोपाल गोयल , सचिव दीपक सिंघल, सह सचिव धर्मेंद्र गर्ग , ऋषि गर्ग, लखन लाल हिंद, वरिष्ट सदस्य शिवशंकर विंदल, डॉ. विमलेश बंसल, नीतू सिंघल, इंद्रा गोयल आदि मौजूद थे!

राजस्व मंडल के सात कार्मिक निजी सचिव पद पर पदोन्नत

चमकता राजस्थान/जयपुर,25 जुलाई। राजस्व मंडल में आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा पर सात अतिरिक्त निजी सचिवों को निजी सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया है।

राजस्व मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित पदोन्नति समिति की बैठक में वर्ष 2023-24 तथा 2024-25 के तहत यह पदोन्नतियां की गई है।

पदोन्नत होने वाले कार्मिकों में श्रीमती कुसुम गुप्ता,राजेश,विजय कुमार शर्मा ,दिनेश कुमार शर्मा,विशाल भटनागर,यशपाल दत्तात्रेय एवं कुलदीप शर्मा शामिल हैं। आदेशानुसार ये सभी कार्मिक अपनी उपस्थिति वर्तमान पदस्थापन स्थान पर देंगे।

मंडी से कंगना रनौत की सांसदी को हाईकोर्ट में दी गई चुनौती, नोटिस जारी कर सांसद से मांगा जवाब

मंडी/एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद कंगना रनौत के निर्वाचन को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। हिमाचल हाई कोर्ट ने कंगना रनौत को नोटिस जारी किया है। किन्नौर के रहने वाले लायक राम नेगी ने ये याचिका दायर की है। लायक राम नेगी ने याचिका में कंगना के निर्वाचन को रद्द करने का अनुरोध करते हुए दलील दी है कि इस लोकसभा सीट से चुनाव लडऩे के लिए याचिकाकर्ता के नामांकन पत्र को गलत तरीके से खारिज कर दिया गया था।

नोटिस जारी करते हुए न्यायमूर्ति ज्योत्सना रेवाल ने कंगना रनौत को 21 अगस्त तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। रनौत ने मंडी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह को 74,755 वोटों के अंतर से हराकर जीत हासिल की थी। रनौत के निर्वाचन को रद्द करने की मांग करते हुए याचिकाकर्ता लायक राम नेगी ने कहा कि उनके नामांकन पत्र को निर्वाचन अधिकारी (उपायुक्त, मंडी) ने गलत तरीके से रद्द कर दिया और उन्हें भी पक्षकार बनाया गया है।

वन विभाग के पूर्व कर्मचारी लायक राम नेगी ने कहा कि उन्हें समय से पहले सेवानिवृत्ति मिल गई और उन्होंने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन पत्र के साथ विभाग से बकाया नहीं प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया। हालांकि, उन्हें बिजली, पानी और टेलीफोन विभागों से बकाया नहीं प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के लिए एक दिन का वक्त दिया गया और जब उन्होंने उन्हें प्रस्तुत किया तो भी निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें स्वीकार नहीं किया और नामांकन पत्र रद्द कर दिया। उन्होंने दलील दी कि अगर उनके कागजात स्वीकार किए गए होते तो वे चुनाव जीत सकते थे और कहा कि कंगना के निर्वाचन को रद्द कर दिया जाना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929